



76 वीं गणतंत्र दिवस परेड

76th REPUBLIC DAY PARADE



26 जनवरी, 2025 (6 माघ, 1946)
26 January, 2025 (6 Magha, 1946)





भारत की गणतंत्र दिवस परेड में इंडोनेशियाई राष्ट्रीय सशस्त्र बल (टीएनआई) का मार्चिंग दस्ता: अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक

Indonesian National Armed Forces (TNI) Marching Contingent at India's Republic Day Parade: Symbol of Discipline and National Pride

इंडोनेशियाई राष्ट्रीय सशस्त्र बल (टीएनआई) दो प्रमुख प्रदर्शनों के माध्यम से अपने अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव को दर्शाते हैं: मार्चिंग टुकड़ी और जेंडरंग सुलिंग कांका लोकानंता (सैन्य बैंड)।

The Indonesian National Armed Forces (TNI) showcase their discipline and national pride through two prominent displays: the Marching Contingent and the Genderang Suling Canka Lokananta (Military Band).

टीएनआई की सभी शाखाओं के 152 कर्मियों से युक्त मार्चिंग टुकड़ी एकता और शक्ति का उदाहरण है। सम्मान गार्ड की वर्दी पहने हुए यह टुकड़ी परेड के दौरान सटीक मार्चिंग मूवमेंट करती है, जो सैन्य तत्परता और राष्ट्रीय एकता का प्रदर्शन है।

The Marching Contingent, comprising 152 personnel from all branches of the TNI, exemplifies unity and strength. Clad in honor guard uniforms, the contingent performs precise marching movements during parades, demonstrating military readiness and national cohesion.

ये परेड, एक लंबी परंपरा हैं, जो स्वतंत्रता दिवस और टीएनआई वर्षगांठ जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों पर होती है और राष्ट्रीय पहचान की मजबूत भावना को बढ़ावा देती है। मार्चिंग टुकड़ी इंडोनेशियाई राष्ट्रीय एकता का भी प्रतीक है। इस गठन में सशस्त्र बलों की सभी शाखाओं - सेना, नौसेना और वायु सेना - के कर्मी शामिल हैं जो एक साथ मार्च करते हैं। यह "भिन्नका तुंगगल इका" (विविधता में एकता) की भावना दर्शाता है, जहां सांस्कृतिक, जातीय और धार्मिक पृष्ठभूमि की विविधताएँ एक होकर इंडोनेशिया की अखंडता को संरक्षित करने के लिए एक संगठित इकाई के रूप में अभिव्यक्त होते हैं।

These parades, a longstanding tradition, occur at significant events like Independence Day and TNI anniversaries, fostering a strong sense of national identity. The Marching Contingent also serves as a symbol of Indonesian national unity. The formation includes personnel from all branches of the armed forces—the Army, Navy, and Air Force—marching in unison. This represents the spirit of "Bhinneka Tunggal Ika" (Unity in Diversity), where differences in cultural, ethnic, and religious backgrounds blend into one solid entity committed to preserving the Indonesia's integrity.

कुशल प्रशिक्षण से त्रुटिहीन निष्पादन सुनिश्चित होता है, जिसमें समन्वित कदम, सही समय और त्वरित आदेश निष्पादन शामिल है। संरचनाओं में

Meticulous training ensures flawless execution, with synchronized steps, perfect timing, and swift command

अक्सर गरुड़ प्रतीक और इंडोनेशियाई ध्वज जैसे राष्ट्रीय प्रतीक शामिल होते हैं, जो राष्ट्रीय गौरव को महत्त्व देते हैं।

इंडोनेशिया की सैन्य अकादमी का जेंडरंग सुलिंग कांका लोकानंता (सैन्य बैंड): अनुशासन और सैन्य परंपरा का प्रतीक

इंडोनेशियाई सैन्य अकादमी (अकमिल) का 190 सदस्यीय बैंड जेंडरंग सुलिंग कांका लोकानंता अनुशासन और सैन्य परंपरा का प्रतीक है। सैन्य संगीत और महान मूल्यों का यह अनूठा मिश्रण अकादमी की भावना और सम्मान को दर्शाता है।

"कांका लोकानंता" नाम का एक गहरा अर्थ है। "कांका" संस्कृत से निकला है, जिसका अर्थ है तुरही, जबकि "लोकानंता" स्वर्गीय ध्वनि को संदर्भित करता है। सामंजस्यपूर्ण धुन और समन्वित चालें कैडेटों में अनुशासन, टीमवर्क और जिम्मेदारी की भावना पैदा करती हैं। औपचारिक प्रदर्शनों के अलावा यह बैंड, जिसमें स्नेयर ड्रम, टेनर ड्रम, बास ड्रम, बेलीरास, ट्रॉम्बोन, तुरही और बांसुरी सहित कई संगीत वाद्ययंत्र शामिल हैं, अकादमी की उत्कृष्टता को जनता के सामने प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

मार्चिंग कंटीजेंट और जेंडरंग सुलिंग कांका लोकानंता दोनों ही इंडोनेशियाई राष्ट्रीय एकता, सैन्य कौशल और राष्ट्र की संप्रभुता की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता के शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करते हैं।

execution. The formations often incorporate national symbols like the Garuda emblem and the Indonesian flag, further emphasizing national pride.

Genderang Suling Canka Lokananta (Military Band) of Indonesia's Military Academy: A Symbol of Discipline and Military Tradition

The Genderang Suling Canka Lokananta, a 190-member ensemble band from the Indonesian Military Academy (Akml), embodies discipline and military tradition. This unique blend of military music and noble values reflects the spirit and honor of the academy.

The name "Canka Lokananta," carries profound meaning. "Canka" originates from Sanskrit, meaning trumpet, while "Lokananta" refers to heavenly sound. The harmonious melodies and synchronized movements instill discipline, teamwork, and a sense of responsibility in cadets. Beyond ceremonial performances, the band, comprising several musical instruments, including snare drums, tenor drums, bass drums, bellyras, trombones, trumpets, and flutes, serves as a platform for showcasing the academy's excellence to the public.

Both the Marching Contingent and the Genderang Suling Canka Lokananta serve as powerful symbols of Indonesian national unity, military prowess, and the unwavering commitment to safeguarding the nation's sovereignty.

कार्यक्रम

PROGRAMME

1027 बजे राष्ट्रपति एवं मुख्य अतिथि, इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति का राजकीय सम्मान के साथ आगमन ।

1027 hrs The President and the Chief Guest, the President of Indonesia arrive in State.

प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्रपति एवं मुख्य अतिथि की अगवानी।

The Prime Minister receives the President and the Chief Guest.

प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्रपति एवं मुख्य अतिथि से रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, चीफ आफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेनाध्यक्षों तथा रक्षा सचिव का परिचय ।

The Prime Minister presents to the President and the Chief Guest, Raksha Mantri, Raksha Rajya Mantri, Chief of Defence Staff, the three Service Chiefs and Defence Secretary.

राष्ट्रपति, मुख्य अतिथि तथा प्रधान मंत्री का मंच की ओर प्रस्थान।

The President, the Chief Guest and the Prime Minister proceed to the rostrum.

राष्ट्र ध्वज फहराया जाता है तथा राष्ट्रपति के अंगरक्षक राष्ट्रीय सलामी देते हैं। बैंड द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति तथा 21 तोपों की सलामी।

The National Flag is unfurled and the President's Body Guard presents the National Salute. The Band plays the National Anthem and a 21-Gun Salute is fired

गणतंत्र दिवस परेड आरंभ होती है।

The Republic Day Parade commences.

सांस्कृतिक झाँकी।

The Cultural Pageant.

मोटर साइकिल करतब।

Motor Cycle Display.

विमानों द्वारा सलामी।

Flypast.

राष्ट्रीय सलामी।

National Salute.

राष्ट्रपति एवं मुख्य अतिथि का राजकीय सम्मान के साथ प्रस्थान।

The President and the Chief Guest depart in State.

परेड क्रम

वाद्ययंत्रों से साथ उद्घोषणा

हेलीकॉप्टरों द्वारा पुष्प वर्षा
परेड कमांडर
परेड के सेकेंड-इन-कमांड
परमवीर चक्र और अशोक चक्र पुरस्कार विजेता
इंडोनेशिया (मुख्य अतिथि का देश) से मार्चिंग दल और बैंड

सेना

सवार दस्ते

61 कैवलरी

मैकेनाइज्ड दस्ते

टी-90 टैंक
बीएमपी-II/IIIके और नाग मिसाइल सिस्टम (नामीस)
ऑल-टेरेन व्हीकल
स्पेशलिस्ट मोबिलिटी व्हीकल
लाइट स्पेशलिस्ट व्हीकल
व्हीकल माउंटेड इन्फैंट्री मोर्टार सिस्टम
क्विक रिएक्शन फोर्स व्हीकल (हैवी)
क्विक रिएक्शन फोर्स व्हीकल (मीडियम)
नए व्हीकल प्लेटफॉर्म, पिनाका और ब्रह्मोस के साथ ग्रेड
बैटलफील्ड सर्विलांस सिस्टम व्हीकल (माउंटेन/हाई
एल्टीट्यूड)
बैटलफील्ड सर्विलांस सिस्टम व्हीकल (मैदान/रेगिस्तान)
10 मीटर शॉर्ट स्पैन ब्रिज
आकाश वेपन सिस्टम
एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (वेपन सिस्टम इंटीग्रेटेड) और लाइट
कॉम्बैट हेलीकॉप्टर

मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ियाँ

ब्रिगेड ऑफ़ द गार्ड्स की टुकड़ी

THE ORDER OF MARCH

Heralding with Musical Instruments

Showering of flower petals by Helicopters
Parade Commander
Parade Second-in-Command
Param Vir Chakra and Ashok Chakra Awardees
Marching Contingent and Band from Indonesia
(Country of Chief Guest)

ARMY

Mounted Column

61 Cavalry

Mechanized Columns

T-90 Tank
BMP-II/III and Nag Missile System (NAMIS)
All-Terrain Vehicle
Specialist Mobility Vehicles
Light Specialist Vehicles
Vehicle Mounted Infantry Mortar System
Quick Reaction Force Vehicles (Heavy)
Quick Reaction Force Vehicles (Medium)
GRAD with new vehicle platform, PINAKA and
BRAHMOS
Battlefield Surveillance System Vehicle (Mountain/
High Altitude)
Battlefield Surveillance System Vehicle of (Plains/
Desert)
10 Mtr Short Span Bridge
Akash Weapon System
Advanced Light Helicopter (Weapon System
Integrated) and Light Combat Helicopter

Marching Contingents

Brigade of the Guards Contingent

मेकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर : बैंड की ध्वनि
पंजाब रेजिमेंटल सेंटर "संविधान"
राजपूत रेजिमेंटल सेंटर

Mechanised Infantry Regimental Centre : Band playing
PUNJAB Regimental Centre "Samvidhan"
RAJPUT Regimental Centre

जाट टुकड़ी JAT Contingent

गढ़वाल टुकड़ी GARHWAL Contingent

सिख एलआई रेजिमेंटल सेंटर : बैंड की ध्वनि
बिहार रेजिमेंटल सेंटर "कदम कदम
लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर बड़ाए जा".

SIKH LI Regimental Centre : Band playing
BIHAR Regimental Centre "Kadam Kadam
LADAKH SCOUTS Regimental Centre Baday Ja".

महार टुकड़ी MAHAR Contingent

जैक आरआईएफ टुकड़ी JAK RIF Contingent

14 जीटीसी : बैंड की ध्वनि
आर्टी सेंटर (नासिक) "ध्रुव"
3 ईएमई सेंटर (भोपाल)

14 GTC : Band playing
ARTY Centre (Nasik) "Dhruv"
3 EME Centre (Bhopal)

सिग्नल टुकड़ी Signals Contingent

वेटरन्स की झांकी Veterans Tableau

नौसेना

NAVY

नौसेना ब्रास बैंड
नौसेना की मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ी
नौसेना की झांकी

Navy Brass Band
Navy Marching Contingent
Navy Tableau

वायु सेना

AIR FORCE

वायु सेना बैंड
वायु सेना की मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ी

Air Force Band
Air Force Marching Contingent

3 मिग-29 विमानों द्वारा फ्लाई पास्ट भारतीय वायुसेना की
मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ी के साथ 'विक' फॉर्मेशन में फ्लाई
पास्ट।

Fly past by 03 x MiG-29 aircraft will flypast in 'Vic'
Formation along with IAF marching contingent.

डीएमए की झांकी DMA Tableau

बैंड: भारतीय तटरक्षक बल
भारतीय तटरक्षक बल की मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ी

Band: Indian Coast Guard
Indian Coast Guard Marching Contingent

भारतीय तटरक्षक बल झांकी: तटीय सुरक्षा - समुद्री खोज और बचाव

Indian Coast Guard Tableau: Coastal Security – Maritime Search and Rescue

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

DEFENCE RESEARCH AND DEVELOPMENT ORGANISATION

रक्षा कवच पर आधारित झांकी
उपकरण - प्रलय हथियार प्रणाली

Tableau based on Raksha Kavach
Equipment – Pralay Weapon System

सीएपीएफ और अन्य सहायक बल

CAPFs AND OTHER AUXILIARY FORCES

असम राइफल्स की मार्च करती हुई टुकड़ी
बैंड: असम राइफल्स

Assam Rifles Marching Contingent
Band: Assam Rifles

बैंड: सीआरपीएफ
सीआरपीएफ की मार्च करती हुई टुकड़ी

Band: CRPF
CRPF Marching Contingent

बैंड: आरपीएफ
आरपीएफ की मार्च करती हुई टुकड़ी

Band: RPF
RPF Marching Contingent

बैंड: दिल्ली पुलिस
दिल्ली पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

Band: Delhi Police
Delhi Police Marching Contingent

बीएसएफ की ऊंटों की टुकड़ी
बैंड: बीएसएफ ऊंट

BSF Camel Contingent
Band: BSF Camel

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

NATIONAL CADET CORPS (NCC)

लड़कियों की मार्च करती हुई टुकड़ी

Girls Contingent

एनसीसी के संयुक्त बैंड

NCC's Combined bands

लड़कों की मार्च करती हुई टुकड़ी

Boys Contingent

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS)

राष्ट्र सेवा योजना मार्चिंग टुकड़ी

Nation Service Scheme Marching Contingent

भारतीय सेना का 08 x पाइप और ड्रम बैंड

08 x Pipes & Drums Band of Indian Army

सांस्कृतिक प्रस्तुति

THE CULTURAL PAGEANT

झांकियाँ - 26 (छब्बीस)

Tableaux - 26 (Twenty Six)

सांस्कृतिक प्रदर्शन

संगीत नाटक अकादमी के माध्यम से संस्कृति मंत्रालय द्वारा चुने गए 5000 कलाकारों के समूह द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन किए जाएंगे। इस प्रदर्शन का विषय "जयति जय मम भारतम्" है।

मोटर साइकिल करतब : सिग्नल रेजिमेंट द्वारा।

भारतीय वायुसेना द्वारा फ्लाई-पास्ट

[मौसम अनुकूल रहने पर]

ध्वज फोरमेशन: 4 x एमआई-17 IV से युक्त फॉर्मेशन, राष्ट्रीय ध्वज और संबंधित सेवा ध्वज लेकर "कटार" फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

बाज फोरमेशन: 3 x मिग - 29 विमानों से युक्त बाज फॉर्मेशन 'विक' फॉर्मेशन में फ्लाई-पास्ट करेंगे।

प्रचंड फोरमेशन: 3 x अपाचे विमानों से युक्त प्रचंड फॉर्मेशन 'विक' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

तांगेल फोरमेशन: एक डकोटा/एएन-32 विमान और दो डोर्नियर विमान 'विक' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

रक्षक फोरमेशन: आईसीजी के 3 डोर्नियर विमानों से युक्त रक्षक फॉर्मेशन 'विक' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

अर्जन फोरमेशन: एक सी-130 विमान और दो सी-295 विमान 'विक' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

नेत्र फोरमेशन: एक एईडब्ल्यूएंडसी और दो एसयू-30 विमान 'विक' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

भीम फोरमेशन: एक सी-17 और 2 एसयू-30 विमान सोपान में (धुआं छोड़ते हुए) एक साथ 'विक' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

CULTURAL PERFORMANCES

Cultural performances would be made by group of 5000 artists selected by Ministry of Culture through Sangeet Natak Academy. The theme of this performance is "Jayati Jay Mum Bharatam".

Motor Cycle Display: by Signal Regiment.

FLY-PAST by IAF

[If weather conditions permit]

Dhwaj Formation : The formation comprising 4 x Mi-17 IV are to fly in "Kataar" formation, carrying the national ensign and respective service ensigns.

Baaz Formation : Baaz formation comprising of 3 x MiG - 29 aircraft will fly-past in 'Vic' formation.

Prachand Formation : Prachand formation, comprising of 3 x Apache aircraft 'Vic' formation.

Tangail Formation : The formation comprising one Dakota / An-32 aircraft in lead with two Dornier aircraft in echelon would fly in 'Vic' Formation.

Rakshak Formation : Rakshak formation comprising of 3 dornier aircraft from ICG would fly in 'Vic' formation.

Arjan Formation : The formation comprising one C-130 aircraft in lead with two C-295 aircraft in echelon would fly in 'Vic' Formation.

Netra Formation : The formation comprising 1 x AEW&C and 2 x Su-30 aircraft in echelon would fly in 'Vic' Formation.

Bheem Formation : The formation comprising 01 x C-17 and 02 x Su-30 aircraft in echelon (streaming fuel) would fly past in 'Vic' formation.

अमृत फोरमेशन: 05 x जगुआर विमानों से युक्त फॉर्मेशन 'एरो-हेड' फॉर्मेशन में कर्तव्य पथ के उत्तर में जल चैनल के ऊपर से उड़ान भरेंगे।

वज्रांग फोरमेशन: 06 x राफेल विमान 'वज्रांग' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

त्रिशूल फोरमेशन: 03 x एसयू -30 विमानों से युक्त फॉर्मेशन 'विक' फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे।

विजय फोरमेशन: त्रिशूल फॉर्मेशन के पीछे एक राफेल विमान 900 किमी प्रति घंटे की गति से उड़ान भरेगा। मंच के पास पहुंचकर विमान 'वर्टिकल चार्ली' के लिए रुकेगा और कई घुमाव लेगा।

बैनर के साथ गुब्बारे छोड़े जाएंगे: भारतीय मौसम विभाग

Amrit Formation : The formation comprising 05 x Jaguar aircraft will flypast over the water channel North of Kartavya Path in 'Arrow-head' formation.

Vajraang Formation : The formation comprising of 06 x Rafale ac will fly in 'Vajraang' Formation.

Trishul Formation : The formation comprising 03 x Su-30 aircraft will fly in 'Vic' Formation.

Vijay Formation : One Rafale aircraft would be flying in at 900kmph behind the Trishul formation. Approaching the dais, the aircraft will pull up for 'Vertical Charlie' and carry out multiple turns.

Release of balloons with banners: India Meteorological Department



सांस्कृतिक प्रस्तुति

आज भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति हमारी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विविधता और प्रगति की झलक प्रस्तुत करती है जो भारत के गौरवशाली अतीत का प्रतीक है तथा समृद्ध और खुशहाल भविष्य के प्रति देशवासियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है।

रंग-बिरंगी झाँकियों में भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकी पहलुओं का चित्रण है। इन झाँकियों में हमारे भौगोलिक सौंदर्य तथा वास्तु-शिल्पीय धरोहर को दिखाया गया है।

CULTURAL PAGEANT

Today, India is celebrating its 76th Republic Day. The cultural pageant presents a glimpse of our ancient civilisation, cultural diversity and progress, symbolising India's glorious past and reflects the citizens aspirations for a prosperous and happy tomorrow.

The array of colourful tableaux depicts the social, cultural, economic and technological facets of India. These tableaux capture the beauty of our landscape and architectural heritage.



भारत का संविधान हमारी विरासत, विकास और पथ-प्रदर्शक की आधारशिला

भारत का संविधान, हमारी विरासत की आधारशिला है, जो इतिहास के ज्ञान और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को दर्शाता है। न्याय, समानता और स्वतंत्रता के लिए मार्गदर्शक शक्ति के रूप में, यह हमारे विकास की नींव बनाता है और एक एकजुट, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र को आकार देता है।

झांकी, संविधान के जटिल चित्रणों से प्रेरित 3 डी पैटर्न के साथ इस सार को उजागर करती है, जैसे कि "संघ और उसका क्षेत्र" अध्याय से लिया गया ज़ेबू बैल, जो शक्ति और नेतृत्व का प्रतीक है। झांकी की पृष्ठभूमि में अशोक का सिंह स्तंभ, जो लचीलेपन और एकता को दर्शाता है।

ट्रेलर में भारत के संविधान को अपनाए जाने के 75 साल पूरे होने का प्रतीक एक घूमता हुआ प्रतीक चिह्न दिखाया गया है। उस आसन तक पथ का निर्माण जहां हिंदी और अंग्रेजी में प्रदर्शित खुली प्रस्तावना संविधान की पुस्तक की प्रतिकृति है, भावी पीढ़ियों के लिए पथ-प्रदर्शक के रूप में कार्य करता है। किनारों पर अद्वितीय मायावी मूर्तियां भारत की विविधता और गतिशील भावना को दर्शाती हैं, जो श्री नंदलाल बोस की कलात्मकता से प्रेरित क्लासिक बॉर्डर से बनी हैं। ट्रेलर के किनारे पर WE THE PEOPLE कर्तव्य पथ से बलस्टर और जंजीरों की प्रतिकृति के साथ झांकी पर गतिविधियों को बांधते हैं और परिभाषित करते हैं।

नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले जीवन्त पात्र - डॉक्टर, स्वच्छता कार्यकर्ता, सैनिक, इंजीनियर, हॉकी खिलाड़ी, वकील, किसान, शेफ, ड्रोन दीदी, एयरमैन, साइट कार्यकर्ता और सांस्कृतिक नर्तक - देश की विविधता में एकता का प्रतीक हैं। एक विशेष नृत्य अनुक्रम संविधान की समानता और बाध्यकारी भावना को दर्शाता है, जो धर्म, जाति या स्थिति की परवाह किए बिना प्रत्येक नागरिक के सशक्तिकरण का जश्न मनाता है।

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

The Constitution of India, a cornerstone of our Virasat, Vikas and Path-pradarshak

The Constitution of India, a cornerstone of our heritage, reflects the wisdom of history and dreams of our freedom fighters. As the guiding force for justice, equality, and liberty, it forms the foundation of our development thereby shaping a united, progressive, and inclusive nation.

The tableau highlights this essence with 3D patterns inspired by the intricate illustrations in the Constitution such as the Zebu bull, symbolizing strength and leadership, from the chapter "The Union and Its Territory." The Lion Capital from the Ashoka Stambh forms the backdrop, representing resilience and unity, on the tractor.

The trailer features a rotating Insignia symbolizing 75 years of Constitution of India, since its adoption. The creation of a path to the pedestal where the open preamble showcased in Hindi and English is the replica of the book of Constitution which acts as a path-pradarshak for future generations. Unique illusionary sculptures along the sides depict India's diversity and dynamic spirit, framed with a classic border inspired by Shri Nandalal Bose's artistry. WE THE PEOPLE on the side of the trailer binds and defines the activities on the tableau along with the replica of Baluster and chains from the Kartavya path pathway.

Live characters representing citizens—doctor, sanitisation worker, soldier, engineer, Hockey player, lawyer, farmer, Chef, Drone didi, Airman, Site worker and cultural dancer—symbolize the nation's unity in diversity. A special dance sequence captures the Constitution's equalizing and binding spirit, celebrating its empowerment of every citizen, regardless of religion, caste, or status.

-MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT





जनजातीय गौरव वर्ष

Janjatiya Gaurav Varsh

जनजातीय कार्य मंत्रालय की झाँकी जनजातीय गौरव वर्ष की विषयगत झलक प्रस्तुत करती है, जिसे महान जनजातीय नायक और समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती (15 नवंबर, 2024-25) के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। आज पूरा देश उनके प्रेरक जीवन और विरासत को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत के स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ स्वतंत्रता के बाद से राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समुदायों के अनुकरणीय योगदान का उत्सव मना रहा है।

The tableau of the Ministry of Tribal Affairs offers a thematic glimpse into the genesis of Janjatiya Gaurav Varsh, which is being celebrated to commemorate the 150th birth anniversary (15th November, 2024-25) of Bhagwan Birsa Munda, the legendary tribal leader and social reformer. It pays a tribute to his inspiring life and legacy and celebrates the exemplary contribution of the tribal communities in India's freedom struggle as well as in nation-building since independence.

झाँकी में आदिवासी संस्कृति, दर्शन और लोकाचार को प्रदर्शित किया गया है, जिसे भगवान बिरसा मुंडा की आकृति वाले एक प्राचीन साल के पेड़ के माध्यम से दर्शाया गया है, जिसकी गहरी जड़ें सदाबहार नदियों से घिरे हरे-भरे वन क्षेत्र में मज़बूती से जमी हुई हैं। यह मंत्रमुग्ध करने वाला प्राकृतिक दृश्य अनूठे आदिवासी ज्ञान परम्परा को समेटे हुए है, जो प्रकृति और मानव विकास के बीच सहजीवी सम्बन्ध में विश्वास करती है। आदिवासी नारा "जल, जंगल, जमीन" सतत विकास के लिए एक वैश्विक मॉडल है।

The tableau showcases the tribal ethos which is depicted through an ancient Sal tree, personified by Bhagwan Birsa Munda, with its deep roots strongly grounded in a lush green forested land enlivened by eternal rivers. This mesmerizing natural imagery encapsulates the unique tribal wisdom that believes in the symbiotic relationship between nature and human growth. The tribal slogan "Jal, Jungle, Jameen" is a global model for sustainable development.

झाँकी का केंद्रीय तत्व भगवान बिरसा मुंडा के दिव्य व्यक्तित्व और स्वतंत्रता संग्राम में उनके बलिदान पर आधारित है। भगवान् बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान उन्हें धरती आबा (पृथ्वी के पिता) का दर्जा देकर राष्ट्रीय आदर के उच्चतम स्तर पर स्थापित करता है। अंग्रेजों के खिलाफ़ "अबुआ दिसुम, अबुआ राज" (हमारा राज्य, हमारा शासन) के उनके आह्वान की झलक वर्तमान समय में "आत्मनिर्भर भारत" में दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ के नगाड़ा की जीवंत थाप और झारखंड के पाइका नृत्य की मनमोहक लय आज पूरे देश को सामूहिक रूप से "श्रेष्ठ भारत" बनाने के लिए आमंत्रित कर रही है।

The heart of the tableau celebrates the charisma and sacrifice of Bhagwan Birsa Munda in the freedom struggle. This elevated him to the nationally revered status of Dharti Aaba (father of the Earth). His call against the British for "Abua Disum, Abua Raaj" (our State, our Rule) is reflected in Atmanirbhar Bharat in the present times. The vibrant beats of the Nagaada from Chhattisgarh and charming rhythms of the Paika dance from Jharkhand invite the whole country to collectively create a Shrestha Bharat.

- जनजातीय कार्य मंत्रालय

- MINISTRY OF TRIBAL AFFAIRS

गोवा की सांस्कृतिक विरासत

गोवा, ओरिएंट का मोती, प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और विरासत का स्वर्ग है, जो अपने समुद्र तटों, हरे-भरे परिदृश्यों, औपनिवेशिक आकर्षण और जीवंत कलाओं के लिए जाना जाता है। गोवा की संस्कृति धरती माता का सम्मान करती है, जो भूमि, समुद्र और जीवन को बनाए रखने वाले प्राकृतिक संसाधनों के प्रति गहरा सम्मान दर्शाती है, जो प्रकृति के साथ गहरा संबंध दर्शाती है।

दीवाज, गोवा की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, जो पवित्रता और पैतृक संबंधों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक मिट्टी का दीपक है। महिलाएं दिवाजा का पालन करती हैं, जो पांच दिवसीय उपवास और एक औपचारिक जुलूस है, जिसमें देवता को जलता हुआ दीपक अर्पित किया जाता है।

गोवा की अनूठी कावी कला में सफेद चूने के आधार पर लेटराइट मिट्टी से लाल-भूरे रंग के रंग से बने जटिल पैटर्न शामिल हैं। मंदिरों और घरों को प्रकृति, पौराणिक कथाओं और ग्रामीण जीवन के रूपांकनों से सजाकर, इसने अपने संरक्षण के लिए राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है।

1864 का लाइटहाउस, एशिया के सबसे पुराने लाइटहाउस में से एक, 17वीं सदी के अगुआडा किले के भीतर स्थित है, जो अरब सागर के आकर्षक दृश्यों के साथ औपनिवेशिक इतिहास का मिश्रण है।

गोवा एक स्वप्निल विवाह स्थल है, जो मनमोहक समुद्र तटों, शानदार रिसॉर्ट्स और भारतीय-पुर्तगाली आकर्षण का एक अनूठा मिश्रण पेश करता है। अपने सुहावने मौसम, स्वादिष्ट व्यंजनों, जीवंत परंपराओं और रोमांचक जल क्रीड़ाओं के साथ, गोवा एक अविस्मरणीय उत्सव का वादा करता है। नौका विवाह और फोटो शूट चलन में हैं, जो गोवा की तटीय सुंदरता और विलासिता को एक यादगार अनुभव बनाते हैं।

यह झांकी गोवा की जीवंत विरासत का जश्न मनाती है, इसकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित और विकसित करते हुए भारत के विविध भविष्य को आकार देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालती है।

- गोवा

Cultural Heritage of Goa

Goa, the Pearl of the Orient, is a haven of natural beauty, culture, and heritage, known for its beaches, lush landscapes, colonial charm, and vibrant arts. Goan culture honors Mother Earth, reflecting deep respect for the land, sea, and natural resources that sustain life, showcasing a profound connection to nature.

Goa's cultural identity is symbolized by the Diwaj, an earthen lamp representing purity and ancestral ties. Women observe Diwaja, a five-day ritual of fasting and a ceremonial procession, offering the lit lamp to the deity.

Kavi art, unique to Goa, features intricate patterns made with reddish-brown pigment from laterite soil on a white lime base. Adorning temples and homes with motifs of nature, mythology, and village life, it has gained national recognition for its preservation.

The 1864 Lighthouse, among Asia's oldest, stands within the 17th-century Fort Aguada, blending colonial history with stunning Arabian Sea views.

Goa is a dream wedding destination, offering stunning beaches, luxurious resorts, and a unique blend of Indian-Portuguese charm. With its pleasant weather, delicious cuisine, vibrant traditions, and exciting water sports, Goa promises an unforgettable celebration. Trending yacht weddings and photo shoots combine coastal beauty with luxury, making for a truly memorable experience.

The tableau celebrate Goa's vibrant heritage, highlighting its role in shaping India's diverse future while preserving and evolving its cultural identity.

- GOA





उत्तराखण्ड : सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल

देवभूमि उत्तराखण्ड राज्य की इस झांकी में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुन्दरता एवं साहसिक खेल एवं पर्यटन को दर्शाया गया है।

झांकी के अग्र भाग में उत्तराखण्ड की प्रसिद्ध ऐंपण कला को बनाते हुए एक पारम्परिक वेश-भूषा में महिला को दिखाया गया है। यह ऐंपण कला आज विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐंपण कला उत्तराखण्ड की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाती है। इस कला को उत्तराखण्डी महिलाओं द्वारा पूजा कक्षों, घरों के प्रवेश द्वारों के फर्श और दीवारों पर बनायी जाती है। इसको बनाने के लिए चावल का आटा तथा गेरु का उपयोग किया जाता है।

झांकी के ट्रेलर पार्ट में उत्तराखण्ड के साहसिक खेलों एवं साहसिक पर्यटन को चित्रित किया गया है, जैसे- नैनीताल और मसूरी में हिल साइकिलिंग, फूलों की घाटी और केदारकांठा की ट्रेकिंग, औली में स्नो स्कीइंग तथा ऋषिकेश में योगा, बंजी जम्पिंग, जिप-लाइनिंग एवं रॉक क्लाइम्बिंग की रोमांचकारी गतिविधियों को दर्शाया गया है।

उत्तराखण्ड की यह झांकी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा साहसिक खेलों एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दर्शायी गयी है।

- उत्तराखण्ड

Uttarakhand: Cultural Heritage and Adventure Sports

The tableau of Uttarakhand showcases the state's rich cultural heritage, natural beauty, and adventure sports and tourism.

At the forefront of the tableau, a woman dressed in traditional attire is shown creating the famous Aipan art of Uttarakhand. This art form has gained global recognition today. Aipan art represents the social, cultural, and religious significance of Uttarakhand. It is traditionally created by women of the state on prayer rooms, house entrances, floors, and walls. The art is made using rice flour and ochre (red clay).

The trailer section of the tableau highlights adventure sports and tourism in Uttarakhand, such as hill cycling in Nainital and Mussoorie, trekking in the Valley of Flowers and Kedarkantha, snow skiing in Auli, and thrilling activities in Rishikesh like yoga, bungee jumping, zip-lining, and rock climbing.

This tableau of Uttarakhand is displayed to preserve its cultural heritage and to promote adventure sports and tourism.

- UTTARAKHAND

समृद्ध हरियाणा - विरासत और विकास

हरियाणा की झांकी में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक महत्त्व और आधुनिक प्रगति की ओर इसके कदमों को दर्शाया गया है। यह झांकी हरियाणा की विरासत, तकनीकी नवाचार में प्रगति और महिलाओं के सशक्तीकरण को श्रद्धांजलि देती है। साथ ही इसके लोगों की वीरता और योगदान को भी दर्शाती है।

झांकी की शुरुआत कुरुक्षेत्र के पवित्र युद्धक्षेत्र के भव्य चित्रण से होती है, जहाँ भगवान कृष्ण ने अर्जुन को अपनी शिक्षाएँ दी थीं। चित्रण में ज्योतिसर, जहाँ दिव्य संदेश दिया गया था, को प्रदर्शित किया गया है। यह चित्रण भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत में हरियाणा के स्थायी योगदान का प्रमाण है, जो इसके लोकाचार और कालातीत मूल्यों को दर्शाता है।

सूरजकुंड मेले से प्रेरित हरियाणवी बैलगाड़ी, जिसमें हरियाणा के शिल्प जैसे सरकंडा शिल्प, चमड़े की जूतियाँ, पुंजा दरी, चोप, बाग, फुलकारी, रेवड़ी के पीतल के बर्तन और सुराही मिट्टी के बर्तनों का प्रदर्शन किया गया है।

ऐतिहासिक रूप से एक ग्रामीण राज्य, हरियाणा आज एक अच्छी तरह से विकसित औद्योगिक राज्य है। राज्य आईटी और जैव प्रौद्योगिकी सहित जान उद्योग के लिए एक आधार के रूप में भी उभरा है। हरियाणा में बच्चों का शैक्षिक सशक्तीकरण राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। जिसमें साक्षरता दर में सुधार और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रमों के साथ लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहल की गई है।

हरियाणा को व्यापक रूप से एक खेल महाशक्ति के रूप में जाना जाता है। जो ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के 30% से अधिक पदकों में योगदान देता है। इस वर्ष, हरियाणा के एथलीटों ने 16 ओलंपिक और पैरालंपिक पदक जीते। यह खंड हरियाणा के एथलीटों की अघक समर्पण, कड़ी मेहनत और सफलता का सम्मान करता है, जो राज्य और राष्ट्र के लिए गौरव और प्रतिष्ठा लाते हैं।

- हरियाणा

Prosperous Haryana - Heritage and Development

Haryana's rich cultural heritage, historical importance, and its strides toward modern progress is displayed on the tableau. The tableau pays tribute to Haryana's legacy, advances in technological innovation, and the empowerment of its women, while highlighting the valour and contributions of its people.

The front section depicts heritage of the state with a majestic representation of the sacred battlefield of Kurukshetra where Lord Krishna delivered his teachings to Arjuna. It emphasizes Jyotisar, the site where the divine message was imparted. This portrayal serves as a testament to Haryana's enduring contribution to India's spiritual and cultural heritage, reflecting its ethos and timeless values.

Haryanvi Bullock Cart inspired by the Surajkund Mela showcasing the crafts of Haryana like Sarkanda Craft, Leather Juttis, Punja Durries, Chope, Bagh, Phulkari, Brassware of Rewari and Surahi Pottery is depicted on craft cart.

Historically a rural state, Haryana today is a well-developed industrial state and has emerged as a base for the knowledge industry, including IT and biotechnology. Educational empowerment of children, initiatives aimed at improving literacy rates and promoting gender equality with programs like Beti Bachao, Beti Padhao is shown.

Haryana is widely recognized as a sports powerhouse contributing to over 30% of India's medals in international competitions, including the Olympics and Commonwealth Games. This year, 16 Olympic and Paralympic medals were won by Haryana athletes. This section honours the relentless dedication, hard work, and success of Haryana's athletes, who bring pride and prestige to the state and the nation.

- HARYANA





स्वर्णिम झारखंड: विरासत और प्रगति की विरासत

Swarnim Jharkhand: A Legacy of Heritage and Progress

झांकी के सामने वाले हिस्से में दो लड़कियों को लैपटॉप का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, जो झारखंड में शैक्षणिक बुनियादी ढांचा में हुई प्रगति दर्शाता है। शासन, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विशेष रूप से आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनमें रांची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे शहर शिक्षण संस्थानों में अग्रणी हैं।

The tableau's front portion features two girls using laptops, symbolizing Jharkhand's growing educational infrastructure. The state focuses on enhancing education in both urban and rural areas, especially for tribal children, with cities like Ranchi, Jamshedpur, and Dhanbad leading in educational institutions.

पिछले भाग में सर रतन टाटा की विरासत और टाटा समूह का झारखंड के विकास के लिए किए गए योगदान को दर्शाया गया है। सर रतन टाटा के नेतृत्व ने झारखंड के विकास, आर्थिक विकास और जीवन स्तर में सुधार को बढ़ावा दिया। 1907 में स्थापित टाटा स्टील राज्य की औद्योगिक ताकत और वैश्विक महत्व का प्रतीक है। टाटा स्टील भारत की पहली कंपनी एकीकृत इस्पात संयंत्र कंपनी है जो जमशेदपुर में स्थित है जिसकी स्थापना 1907 में जमशेदजी टाटा ने की थी। यह उन्नत प्रौद्योगिकी और बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है जो नवाचार, स्थिरता और समुदाय विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्माण, ऑटोमोटिव और इंजीनियरिंग उद्योगों को सेवा प्रदान करती है।

The rear part celebrates the Legacy of Sir Ratan Tata and the Tata Group's Contributions to Jharkhand's Growth. Sir Ratan Tata's leadership boosted Jharkhand's growth, driving economic development and improving living standards. Tata Steel, established in 1907, symbolizes the state's industrial strength and global significance. Tata Steel, located in Jamshedpur, Jharkhand, founded by Jamsetji Tata in 1907, is India's first integrated steel plant. Renowned for advanced technology and large-scale production, it serves industries like construction, automotive, and engineering, while focusing on innovation, sustainability, and community development.

इस्पात संयंत्र विकास और शहरीकरण का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि जादूगोड़ा में यूरेनियम संयंत्र भारत की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को शक्ति प्रदान करता है, जो तकनीकी प्रगति में झारखंड की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

The steel plant represents development and urbanization, while the uranium plant in Jaduguda powers India's nuclear ambitions, highlighting Jharkhand's pivotal role in technological progress.

सोहराई भित्ति चित्र एक आदिवासी कला है जो फसल, उर्वरता और झारखंड राज्य का प्रकृति और आध्यात्मिकता के साथ संबंध स्थापित करती है।

Sohrai murals, a tribal art form, celebrates harvest, fertility, and Jharkhand's connection with nature and spirituality, are depicted on the tableau.

झांकी के मध्य भाग में ग्रामीण महिलाओं को हस्तशिल्प बनाते हुए दिखाया गया है, जो झारखंड के पारंपरिक और विकसित संस्कृति को दिखाता है। जहां परंपराएं और संसाधन राष्ट्रीय विकास-विरासत और विकास को प्रदर्शित करते हैं।

Middle portion of the tableau showcases rural women crafting handicrafts, symbolizing Jharkhand's blend of heritage and development, where traditions and resources drive national progress, embodying "Virasat and Vikas."

निचले भाग में, यूनेस्को से मान्यता प्राप्त सराइकेला के छऊ नर्तक पौराणिक परम्पराओं को प्रदर्शित कर रहे हैं।

On the ground, Chhau Dance of Seraikela, UNESCO-recognized, is performed by artists, showcasing vibrant mythological traditions.

- झारखंड

- JHARKHAND

मंत्रालय की व्यापक योजनाओं के अंतर्गत पोषित महिलाओं और बच्चों की बहुमुखी यात्रा

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की झांकी मातृत्व, जीवन चक्र सातत्य और महिला नेतृत्व के विकास का एक अनुकरणीय चित्रण है। झांकी के केंद्र में एक माँ अपने बच्चे को प्यार से गोद में उठाए हुए है, जो देखभाल, पोषण का एक कोमल अवतार है और ये बच्चे की पहली शिक्षक होने का प्रतीक है। माँ के चेहरे पर खुशी की अभिव्यक्ति, बच्चे की मासूमियत, स्वास्थ्य, जीवन शक्ति और गरिमा के प्रति सकारात्मकता को दर्शाती है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का लोगो, देश की प्रगति की आधारशिला के रूप में महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए मंत्रालय के अथक प्रयासों का प्रतीक है।

आगे के भाग में, एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और उनके द्वारा प्रदान किये जा रही बच्चों को शिक्षा, पोषण और समग्र देखभाल पर प्रकाश डालते हुए सक्षम आंगनबाड़ियों की परिवर्तनकारी भूमिका को दर्शाया गया है।

मध्य भाग में एक लड़की की बचपन के प्रारंभिक वर्षों से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली एक सशक्त महिला बनने तक के जीवन चक्र की निरंतरता को खूबसूरती से दर्शाया गया है। बच्चों और महिलाओं की विभिन्न योजनाओं जैसे पोषण अभियान, बच्चों के लिए पीएम केयर, पीएमएएमवीवाई, पालना, किशोरियों के लिए योजना द्वारा दिए जा रहे हृदय समर्थन और सहायता का प्रतीक है।

अंतिम भाग भारत की महिला के "शक्ति स्वरूप" को दर्शाता है, जो सभी पहलुओं में सशक्त है, किसी भी क्षेत्र में कोई भी पेशा या व्यवसाय करने के लिए शक्तिशाली और स्वतंत्र है।

निचला भाग महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्रदर्शित कर रहा है जहाँ पुलिस वैन सुरक्षा का प्रतीक और एक मोबाइल स्क्रीन हेल्पलाइन की पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित कर रहा है। झांकी के किनारों द्वारा ये संदेश दिया जा रहा है की एक सशक्त महिला एक मजबूत राष्ट्र की रीढ़ यानि उसका मुख्य आधार है, जो "सशक्त नारी, सशक्त भारत" की भावना का प्रतीक है।

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

Multifaceted Journey of Women and Children Nurtured under the Ministry's Comprehensive Schemes

The tableau of the Ministry of Women and Child Development is an exemplary portrayal of Motherhood, Life cycle continuum approach and Women Led Development. At the heart of the display is a mother lovingly cradling her child, a tender embodiment of care, nourishment and the first teacher of a child. The joyful expression on the mother's face, mirrored by the innocence of the child, reflects the positivity towards - health, vitality, and dignity.

The vivid logo of Beti Bachao Beti Padoo signifies relentless mission to uplift women and children as the cornerstone of the nation's progress.

A nurturing ANGANWADI worker and playful children depict the transformative role of Saksham Anganwadis, highlighting education, nutrition, and holistic care.

The middle section, beautifully illustrates the Life Cycle continuum of a girl from early years to an empowered woman working in various fields. It symbolises the unyielding support provided by schemes like Poshan Abhiyaan, PM Cares for Children, PMMVY, Palna, Scheme for Adolescent Girls etc.

The last part portrays the "Shakti Swaroop" of the woman of India, who, empowered in all aspects, is powerful and independent to undertake any profession or occupation in any field.

The bottom section displays a police van symbolising safety, a mobile screen showcasing the helpline ecosystem for women and children protection. The tableau's sides conveys the message that an empowered woman is the backbone of a strong nation, embodying the spirit of "Sashakt Naari, Sashakt Bharat" (Empowered Women, Empowered India).

- MINISTRY OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT





स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास

गुजरात की झांकी, राज्य की स्थायी सांस्कृतिक विरासत और गतिशील विकास को दर्शाती है, जो न केवल इसके विकास बल्कि राष्ट्र की सामूहिक प्रगति का भी प्रतीक है।

झांकी की शुरुआत में वडनगर से 12वीं शताब्दी के सोलंकी युग के कीर्ति तोरण को दिखाया गया है, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है और राज्य की स्थापत्य कला की शानदार मिसाल है। इसके चारों ओर कच्छी मिट्टी से बनी कलाकृतियाँ और जीवंत पिथोरा पेंटिंग हैं, जो क्षेत्र की आदिवासी परंपराओं और पूज्य देवता बाबा पिथोरा का सम्मान करती हैं, एवं भगवान बिरसा मुंडाजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुजरात की आदिवासी विरासत को श्रद्धांजलि देती हैं।

21वीं सदी की ओर बढ़ते हुए, झांकी में सरदार वल्लभभाई पटेल जिनकी 150वीं जयंती मनाई जा रही है, उनको श्रद्धांजलि देते हुए 182 मीटर की एकता की प्रतिमा दिखाई गई है। इसके नीचे आधुनिक पर्यटन में गुजरात की प्रगति, द्वारका और शिवराजपुर बीच पर आगामी अंडरवाटर स्पोर्ट्स की झलक दिखाई गई है।

झांकी में आगे आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल विनिर्माण और उद्योग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में गुजरात की प्रगति दिखाई गई है- वडोदरा में सी-295 विमान इकाई, रक्षा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में गुजरात की भूमिका को प्रदर्शित करती है और अहमदाबाद में अटल ब्रिज, जिसका निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की शताब्दी के सम्मान में किया गया था। गुजरात के उभरते सेमीकंडक्टर उद्योग और ऑटोमोबाइल विनिर्माण के उभरते केंद्र के रूप में इसकी स्थिति को भी दर्शाया गया है।

झांकी के चारों ओर मनियारा रास का एक उत्साही प्रदर्शन है, जिसके साथ एक आधुनिक दुहा भी है, जो गुजरात की परंपराओं और इसके आराजनक भविष्य को प्रदर्शित करता है।

- गुजरात

Swarnim Bharat: Virasat Aur Vikas

Gujarat's tableau depicts the state's enduring cultural legacy and dynamic development, symbolizing not only its growth but also the collective progress of the nation.

The Tableau begins with showcasing the 12th-century Solanki-era Kirti Toran from Vadnagar, a UNESCO World Heritage site which exemplifies the state's architectural brilliance. Surrounding it are intricate Kutchhi clay-glazed artworks and vibrant Pithora paintings, which honor the tribal traditions of the region and pay homage to the revered deity, Baba Pithora and Gujarat's tribal legacy, commemorating the 150th birth anniversary of Bhagwan Birsa Mundaji.

Transitioning seamlessly into the 21st century, the tableau features the iconic 182-meter statue of Unity, a tribute to Sardar Vallabhbhai Patel, whose 150th birth anniversary is being celebrated. Beneath this is highlighted Gujarat's strides in modern tourism, with glimpses of upcoming underwater sports at Dwarka and Shivrajpur Beach.

The tableau features Gujarat's advancements in key sectors like defense, technology, automobile manufacturing, and industry under the vision of Atmanirbhar Bharat- The C-295 aircraft unit in Vadodara, showcasing Gujarat's role in advancing defense technology; The Atal Bridge in Ahmedabad, constructed to honor the centenary of former Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee. Gujarat's burgeoning semiconductor industry and its status as an emerging hub for automobile manufacturing are also depicted.

Encircling the tableau is a spirited performance of Maniyara Raas, accompanied by a modern Duha, infusing the presentation with the vibrant essence of Gujarat's traditions and its promising future.

- GUJARAT

एटिकोप्पाका बुम्मालु – पर्यावरण-अनुकूल लकड़ी के खिलौने

एटिकोप्पाका बुम्मालु 400 साल पुरानी शिल्प परंपरा से जुड़े उत्कृष्ट लकड़ी के खिलौने हैं। आंध्र प्रदेश के एटिकोप्पाका गांव से उत्पन्न होने वाले ये खिलौने अपनी चिकनी रूपरेखा, जीवंत रंगों और पर्यावरण-अनुकूलता के लिए प्रसिद्ध हैं। ये अक्सर पौराणिक पात्रों, जानवरों और प्राचीन सभ्यताओं जैसे मोहनजो-दड़ो और हड़प्पा से प्रेरित रूपों को प्रदर्शित करते हैं।

यह शिल्प अंकुडू वृक्ष (राइटिया टिक्टोरिया) पर निर्भर करता है, जिसकी मुलायम और लचीली लकड़ी उकेरने के लिए आदर्श है। कारीगर प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हैं, जो पौधों से प्राप्त होते हैं, और पारंपरिक "लाकर मोड़" तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें लाख रेजिन का उपयोग किया जाता है। यह पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रिया परिणामस्वरूप विषाक्त रहित, जीवंत रंगों वाले खिलौने बनाती है जो बच्चों के लिए सुरक्षित होते हैं और दुनिया भर में संग्राहकों द्वारा प्रशंसा की जाती है।

2017 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सम्मानित, एटिकोप्पाका खिलौने प्रामाणिकता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं। उनके शाश्वत डिज़ाइन में घूर्णन शीर्ष, मूर्तियाँ, संगीत वाद्ययंत्र और घरेलू सजावट शामिल हैं, जो वैश्विक स्तर पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हैं।

खेलने की वस्तु से कहीं अधिक, ये खिलौने स्थिरता, कल्पना और कला का प्रतीक हैं। एटिकोप्पाका बुम्मालु अपनी परंपरा और नवाचार के मेल से प्रेरित करता है, आंध्र प्रदेश के कारीगरों की धरोहर को आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित करता है।

- आंध्र प्रदेश

Etikoppaka Bommalu – Eco-Friendly Wooden Toys

Etikoppaka Bommalu are exquisite wooden toys rooted in a 400-year-old tradition of craftsmanship. Originating from the village of Etikoppaka in Andhra Pradesh, these toys are renowned for their smooth contours, vibrant colours, and eco-friendly nature. They often depict mythological figures, animals, and shapes inspired by ancient civilizations like Mohenjo Daro and Harappa.

The craft relies on the Ankudu tree (*Wrightia tinctoria*), whose soft, pliable wood is perfect for carving. Artisans use natural dyes derived from plant-based sources and a traditional "lacquer turning" technique involving lac resin. This eco-conscious process results in non-toxic, vividly coloured toys safe for children and admired by collectors worldwide.

Recognized with a Geographical Indication (GI) tag in 2017, Etikoppaka toys are a hallmark of authenticity and cultural heritage. Their timeless designs include number toys, mythological figurative, Raja Rani, spinning tops, figurines, musical instruments, and household decorations, captivating audiences globally.

More than playthings, these toys represent sustainability, imagination, and artistry. Etikoppaka Bommalu continues to inspire with its blend of tradition and innovation, preserving the legacy of Andhra Pradesh's artisans for generations to come.

- ANDHRA PRADESH





पंजाब: ज्ञान और विवेक की भूमि

पंजाब की झांकी इसकी उत्कृष्ट इनले डिजाइन कला और खूबसूरत हस्तशिल्प का अद्भुत संगम है। झांकी के ट्रैक्टर भाग में इनले डिजाइन की बारीकियां उकेरी गई है, जबकि ट्रेलर भाग में गहरी श्रद्धा और सम्मान के प्रतीक, महान सूफी संत बाबा शेखा फरीद जी की मनोहर छवि को प्रदर्शित किया गया है। क्योंकि पंजाब, मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान राज्य है, इसलिए झांकी के ट्रैक्टर भाग की शुरुआत एक बैलों की जोड़ी पर बहुत ही सुंदर ढंग से उकेरे गए पुष्प आकृतियों से की गई है, जो राज्य के कृषि पहलू को दर्शाती है। इसके अलावा, नीचे बिछी हुई खूबसूरत दरियां इस अनूठी कृति को एक खास शालीनता प्रदान करती है। इसके बाद ट्रेलर के शुरुआत में राज्य की अत्यंत समृद्ध संगीत विरासत को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें पारंपरिक पोशाक पहने एक व्यक्ति हाथ में 'तुम्बी' धामे हुए है, साथ में ढोलक और सुंदर ढंग से सजाए गए मिट्टी के घड़े भी दिखाए गए हैं। इसके बाद ट्रेलर के मध्य भाग में एक पारंपरिक परिधान पहने महिला हाथों से कपड़ा बुनते हुए नजर आती है, जो लोक कढ़ाई की कला को दर्शाती है। यह कला फूलों की सुंदर आकृतियों से सजी होती है, जिसे पूरी दुनिया में 'फुलकारी' के नाम से जाना जाता है।

इसके बाद ट्रेलर के अंतिम भाग में पंजाब के सबसे श्रद्धेय सूफी संतों में से एक, बाबा शेख फरीद जी 'गंज-ए-शक्कर' को एक पेड़ की छांव में बैठे हुए, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में समाहित भजनों की रचना में लीन दिखाया गया है। बाबा शेख फरीद जी पंजाबी भाषा के पहले कवि थे, जिन्होंने इसे विकसित और पोषित किया, जिससे इसे साहित्यिक क्षेत्र में स्थान मिला। उनकी नैतिक शिक्षाएं इस बात पर केंद्रित थी कि सभी लोग नैतिक सिद्धांतों का पालन करें और ईश्वर के प्रति समर्पित रहें। उन्होंने सिखाया कि लोग विनम्र, संतुष्ट, उदार और दयालु बनें। बाबा फरीद जी ने यह भी उपदेश दिया कि लोग ध्यान करें, ईश्वर से प्रेम करें और हमेशा ईश्वर को याद करें व उनके आदेशों का पालन करें।

- पंजाब

Punjab: The Land of Knowledge and Wisdom

The Tableau of Punjab is an aesthetic blend of Inlay designing prowess of the State interspersed with the exquisitely woven handicraft along with in the tractor portion and the depiction of the greatly revered Sufi saint Baba Sheikh Farid Ji in the Trailer portion. Punjab primarily being an agrarian state, the Tractor portion commences with the adroitly carved out floral motifs on a pair of bullocks with yoke depicts the agricultural aspect of the state. Besides this, elegant designs of mats (Darris) at the bottom lending an aura of refinement to the novel creation. Behind it, is the immensely rich musical heritage of the State with a traditionally dressed man holding a 'Toombi' in his hand with a Dholak and so beautifully decorated earthen pots (Ghara). A woman adorned in the traditional attire is shown weaving a cloth with her hands thus displaying the art of folk embroidery covered with floral motifs so popular all over the globe as 'Phulkari'.

The Trailer portion depicts one of the most deeply revered Sufi saints of Punjab, Baba Sheikh Farid Ji 'Ganj-i-Shakkar' (storehouse of candy) sitting under the shade of a tree and immersed in composing hymns which are included in Sri Guru Granth Sahib Ji. Baba Sheikh Farid ji was the first poet of Punjabi language who developed and nurtured the same thus bringing it into the literary domain. His moral teachings centered on all people adhering to moral principles and devoted to God, and that people should be humble, content, generous, and compassionate. He also taught that people should meditate and love God, and that they should always remember and obey God.

- PUNJAB

स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास

नए भारत का सूर्योदय: पीएम सूर्यघर: मुफ्त बिजली योजना दुनिया की सबसे बड़ी आवासीय रूफटॉप सोलर परियोजना है जिसके अंतर्गत अगले तीन वर्षों में 75 हजार करोड़ रुपये की लागत से 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की योजनाएं और कार्यक्रम देश में "ग्रीन इकॉनमी" का निर्माण करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, और 2030 तक 38 लाख से ज्यादा ग्रीन रोजगार का सृजन करेंगे।

यह झांकी, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय प्रगति के साथ भारत की स्वर्णिम विरासत को खूबसूरती से दर्शाती है। झांकी का मुख्य आकर्षण - पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना है, जो रूफटॉप सोलर की स्थापना द्वारा भारत के दूरस्थ क्षेत्रों को रोशन कर रही है। यह न सिर्फ नागरिकों को, बल्कि अत्याधुनिक रोबोटिक्स और उन्नत टेक्नोलॉजी द्वारा एक सुदृढ़ और मजबूत स्वदेशी उत्पादन एवं सप्लाय चैन को आगे बढ़ा रही है।

झांकी के मध्य भाग में भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की गतिशीलता और सर्वांगीण प्रगति को दर्शाया गया है। यह सौर, पवन, बायो-ऊर्जा एवं सर्कुलर इकॉनमी को गतिशील बनाने पर जोर देता है, जो कार्बन मुक्त भविष्य के लिए माननीय प्रधान मंत्री की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

झांकी के अंतिम भाग में ग्रीन हाइड्रोजन-फ्यूल ऑफ द फ्यूचर, में भारत के अग्रिम नेतृत्व और हाई-टू-एबेट क्षेत्रों को कार्बन मुक्त करने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर जोर दिया गया है। चार पवन टरबाइनों के रूप में ऊंचाई पर यह झांकी गर्व से समस्त विश्व में स्वच्छ ऊर्जा क्षमता में चौथे सबसे बड़े स्थापक के रूप में भारत के नेतृत्व का उत्सव मनाती है। सूर्य की उपासना में समर्पित साइड पैनल, भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैज्ञानिक प्रगति और ऊर्जा-स्वतंत्र भविष्य से जोड़ती है। ये झांकी हमारी विरासत से जुड़ी विकसित भारत की दूरदर्शिता का स्वागत करती है।

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

Swarnim Bharat - Heritage and Development

Sunrise of a New India: PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana Scheme, is the world's largest residential rooftop solar project with a goal to install rooftop solar systems in 1 crore homes over the next three years, with an investment of ₹75,000 crores. The schemes and programs of the Ministry of New and Renewable Energy are fully poised to build a "Green Economy" in the country, creating 38 Lakh plus green jobs by 2030.

The tableaux at Republic Day this year beautifully embodies India's golden heritage intertwined with its remarkable strides in renewable energy technology. The central theme revolves around the pioneer scheme PM Suryaghar Muft Bijli Yojana, which is illuminating the remotest corners of India. It is empowering citizens and propelling a strong and robust domestic manufacturing supply chain, enhanced by cutting-edge robotics and advanced technologies.

The middle section of the tableaux showcases the dynamic, holistic movement of India's clean energy transition. It highlights the deployment of solar, wind, bio-energy and circular economy symbolizing the Hon'ble PM's unwavering commitment to a sustainable and decarbonized future.

The rear portion highlights India's global leadership in Green Hydrogen- The Fuel of the Future, which will decarbonize hard-to-abate sectors, positioning the country as a global clean energy leader.

Standing tall in the form of four wind turbines, the tableaux proudly celebrate India's position as the fourth-largest installer of non-fossil fuel energy capacity worldwide. The side panels, dedicated to the veneration of the Sun, emphasize the sacred bond between India's cultural heritage and its scientific advancement towards a prosperous, sustainable, and energy-independent future—ushering in a vision of Viksit Bharat intertwined in its Virasat.

- MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY





लखपति दीदी

ग्रामीण विकास विभाग की झांकी लखपति दीदी की थीम पर आधारित है, जो लखपति दीदी योजना में उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और शिक्षा के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को शक्तिशाली ढंग से प्रदर्शित करती है।

झांकी के सामने, लखपति दीदी की एक विशाल, दीप्तिमान प्रतिमा प्रदर्शित की गई है, जो एक ऐसी महिला का प्रतीक है जिसने वित्तीय सफलता और आत्मविश्वास हासिल किया है। वह पैसे की एक गठरी पकड़े हुए है, जो उसकी वित्तीय आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। झांकी में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के दृश्य हैं जो अलग-अलग आर्थिक गतिविधियों में लगी हुई हैं जैसे बुनाई, हस्तशिल्प या कृषि। यह उनकी उद्यमशीलता का जश्न मनाता है और दिखाता है कि कैसे एसएचजी महिलाओं को परिवार की आय में योगदान करने और स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद करते हैं।

कंप्यूटर का उपयोग करने वाली महिलाएँ कौशल विकास और आधुनिक तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर अपनी यात्रा का प्रतीक हैं। किताबें पकड़े हुए लड़कियाँ, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का उनके बच्चों की शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव का प्रतीक हैं। यह इस संदेश को उजागर करता है कि एक महिला की समृद्धि अगली पीढ़ी की शिक्षा और विकास को सक्षम बनाती है, जो अंततः सामुदायिक विकास की ओर ले जाती है।

पूरी झांकी सांस्कृतिक तत्वों से जीवंत है, जिसमें भारत की विविधता को उजागर करने के लिए रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान दिखाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण भारत से संबंधित रूपांकनों, जैसे मिट्टी के बर्तन, स्थानीय शिल्प और वनस्पतियाँ, झांकी को फ्रेम करती हैं, जिससे यह भारतीय ग्रामीण इलाकों में दृष्टिगत रूप से निहित होती है।

- ग्रामीण विकास मंत्रालय

Lakhpati Didi

The Tableau for the Department of Rural Development is on the theme of Lakhpati Didi, which powerfully showcases women's economic empowerment through the lens of entrepreneurship, self-reliance, and education in the Lakhpati Didi Yojana.

At the front of the Tableau, a towering, radiant statue of Lakhpati Didi is featured, symbolizing a woman who has achieved financial success and confidence. She holds a bundle of money, symbolizing her financial self-sufficiency. The tableau progresses with scenes of women from diverse rural areas engaged in different economic activities, such as weaving, handicrafts, or agriculture. This celebrates their entrepreneurship and shows how SHGs help women contribute to family incomes and gain independence.

Women using computers symbolize their journey toward self-reliance through skill development and adaptation to modern technology. Girl children holding books, symbolize the positive impact of women's economic empowerment on her children's education. This highlights the message that a woman's prosperity enables the next generation's education and growth, ultimately leading to community development.

The entire tableau is vibrant with cultural elements, showcasing colorful traditional attire to highlight India's diversity. Additionally, motifs related to rural India, such as pottery, local crafts, and flora, frame the tableau, making it visually rooted in the Indian countryside.

- MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

महाकुंभ 2025 - स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास

उत्तर प्रदेश की झांकी, "महाकुंभ 2025 - स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास" की भव्यता को दर्शाती है, जिसे वैश्विक स्तर पर 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह विस्मयकारी चित्रण प्रयागराज में पवित्र गंगा, अविरल यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम पर आयोजित महाकुंभ की भव्यता को दर्शाता है - जो पृथ्वी पर मानवता का सबसे बड़ा समागम है।

महाकुंभ, 2025 का मुख्य आयोजन, आध्यात्मिकता, विरासत, विकास और डिजिटल नवाचार के संगम के रूप में कार्य करता है, जो इसे इस झांकी का केंद्र बिंदु बनाता है। प्रदर्शन में सबसे आगे अमृत कलश की एक प्रभावशाली प्रतिकृति है, जो पवित्र अमृतधारा के प्रवाह का प्रतीक है। इसके चारों ओर साधु-संतों को शंख बजाते, आचमन करते और साधना करते हुए दिखाया गया है, जबकि श्रद्धालु संगम के पवित्र जल में डुबकी लगा रहे हैं, जो महाकुंभ के आध्यात्मिक सार को दर्शाता है।

ट्रेलर के पैनल पर अखाड़ों और अमृत (शाही) स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं को भित्ति चित्रों और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से दर्शाया गया है। इसके मूल में समुद्र मंथन की पौराणिक कथा को सजीव रूप से दर्शाया गया है, जो महाकुंभ के गहन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का प्रतीक है। इसके पीछे की ओर समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों को दर्शाया गया है।

महाकुंभ 2025 के लिए मजबूत तकनीकी और डिजिटल तैयारियों को उजागर करते हुए, झांकी में कुशल सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) को दिखाया गया है। इसके साथ ही महाकुंभ का सीधा प्रसारण, पर्व स्नान के लिए जा रहे अखाड़ों के जुलूस का प्रसारण किया जा रहा है।

- उत्तर प्रदेश

Mahakumbh 2025 -Swarnim Bharat: Virasat aur Vikas

The tableau of Uttar Pradesh, showcase the grandeur of "Mahakumbh 2025 -Swarnim Bharat: Virasat aur Vikas" an event recognized globally as an 'Intangible Cultural Heritage of Humanity.' This awe-inspiring depiction highlights the sublimity of the Mahakumbh, held at the confluence of the sacred Ganga, the uninterrupted Yamuna, and the mythical Saraswati in Prayagraj—the largest congregation of humanity on Earth.

The Mahakumbh, the highlight event of 2025, serves as a confluence of spirituality, heritage, development, and digital innovation, making it the focal point of this tableau. Leading the display is an impressive replica of the Amrit Kalash, tilted forward, symbolizing the flow of the sacred Amritdhara. Surrounding it, sadhus and saints are depicted blowing conch shells, performing 'aachman,' and engaging in sadhna (meditation), while devotees immerse themselves in the holy waters of the Sangam, capturing the spiritual essence of the Mahakumbh.

On the panel of the trailer, the Akharas and the devotees going for the Amrit (royal) bath are depicted through murals and LED screens. At its core, the mythical tale of Samudra Manthan is vividly depicted, symbolizing the profound historical and cultural significance of the Mahakumbh. On its back side 14 gems emerged from the churning of the ocean are depicted.

Highlighting the robust technological and digital preparations for Mahakumbh 2025, the tableau showcases the state-of-the-art Integrated Command and Control Center (ICCC) for efficient security and crowd management. Along with this, live telecast of Mahakumbh, the procession of Akharas going for the festival bath is being telecast.

- UTTAR PRADESH





स्वर्णिम भारत, विरासत एवं विकास - नालंदा विश्वविद्यालय

Swarnim Bharat, Virasat aur Vikas - Nalanda Vishwavidyalaya

बिहार राज्य की झांकी में बिहार के समृद्ध ज्ञान एवं शांति की परंपरा को प्रदर्शित किया गया है। प्राचीन काल से बिहार ज्ञान, मोक्ष एवं शांति की भूमि रही है। झांकी के ट्रैक्टर खंड में शांति एवं सद्भाव का संदेश देते भगवान बुद्ध को धर्मचक्र मुद्रा में बैठे हुए प्रदर्शित किया गया है। भगवान बुद्ध की यह अलौकिक मूर्ति राजगीर स्थित घोड़ा कटोरा जलाशय में स्थित है, जहाँ विगत वर्षों में पर्यटन का वृहत् विकास हुआ है।

The state tableau of Bihar showcases Bihar's rich tradition of knowledge and peace. Since ancient times, Bihar has been a land of knowledge, salvation and peace. In the tractor section of the tableau, Lord Buddha is shown sitting in Dharmachakra Mudra, giving the message of peace and harmony. This divine statue of Lord Buddha is located in the Ghoda Katora reservoir in Rajgir, where tourism has developed immensely in the past years.

झांकी के ट्रेलर खंड में, प्राचीन बौद्ध वृक्ष को दर्शाया गया है, जिसके नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। उसके पीछे प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर दिखाए गए हैं। दुनिया का पहला आवासीय विश्वविद्यालय, नालंदा, सम्राट कुमारगुप्त द्वारा 427 ईस्वी में बनाया गया था और 800 से अधिक वर्षों तक ज्ञान का एक समृद्ध केंद्र बना रहा। ऐसा माना जाता है कि इसमें 2,000 शिक्षक और 10,000 छात्र थे। नालंदा ने चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत, मंगोलिया, श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया जैसे दूर-दराज के स्थानों से विद्वानों को अपने परिसर में आकर्षित किया।

In the trailer section of the tableau, the ancient Bodhi tree, under which Lord Buddha attained enlightenment, is depicted. Behind that, the ruins of the ancient Nalanda University have been shown. The world's first residential university, Nalanda was built by Emperor Kumaragupta in 427 CE and remained a rich centre of knowledge for more than 800 years. It is believed that it had 2,000 teachers and 10,000 students. Nalanda attracted scholars from far-flung places like China, Korea, Japan, Tibet, Mongolia, Sri Lanka and South East Asia to its campus.

ट्रेलर सेक्शन के निचले हिस्से में बिहार की प्राचीन और समृद्ध विरासत को भित्ति चित्रों के माध्यम से उकेरा गया है। इनमें दर्शाया गया है कि अर्थशास्त्र के रचयिता चाणक्य ने एक साधारण बालक चंद्रगुप्त को प्रशिक्षण देकर मगध क्षेत्र में एक नये युग का सूत्रपात किया। एक अन्य भित्ति चित्र में वैदिक सभा और समिति, राजा के चुनाव की प्राचीन प्रणाली और चर्चा के माध्यम से न्याय की प्रणाली को दर्शाया गया है। तीसरे भित्ति चित्र में गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से ज्ञान के प्रसार को दर्शाया गया है, साथ ही प्राचीन भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट, जिन्होंने नालंदा में अध्ययन किया था, को भी दर्शाया गया है।

In the lower part of the trailer section, Bihar's ancient and rich heritage has been engraved through murals. These depict that Chanakya, the author of Arthashastra, initiated a new era in the Magadh region by training a simple boy Chandragupta. Another mural depicts Vedic Sabha and Samiti, the ancient system of election of the king and the system of justice through discussion. The third mural depicts the spread of knowledge through the Guru-Shishya tradition, along with Aryabhatta, the ancient Indian mathematician who studied at Nalanda.

अंत में एलडिडी स्क्रीन पर प्राचीन नालंदा को ज्ञान केंद्र के रूप में पुनर्स्थापित करने की दृष्टि से नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय को प्रदर्शित किया गया है। जलवायु परिवर्तन के दृष्टिकोण से निर्मित इन संरचनाओं से यह विश्वविद्यालय कार्बन न्यूट्रल तथा नेट जीरो कैम्पस के रूप में स्थापित हुआ है।

Finally, the newly built International Nalanda University has been displayed on the LED screen with a view to reestablishing ancient Nalanda as a centre of knowledge. With these structures built from the point of view of climate change, this university has been established as a carbon neutral and Net Zero campus.

- बिहार

- BIHAR

वित्तीय विकास में भारत की उल्लेखनीय यात्रा

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा प्रस्तुत यह झाँकी देश में बैंकिंग सेवाओं के क्षेत्र में हुई प्रगति को दर्शाती है। यहाँ आर्थिक सशक्तिकरण हेतु बैंकिंग प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण और वित्तीय रूप से मज़बूत और समावेशी राष्ट्र के लिए ग्रामीण विकास पर केंद्रित प्रयासों को दर्शाया जा रहा है।

इस झाँकी में दिखाया गया है कि किस प्रकार इन प्रयासों से वे समुदाय सशक्त हुए हैं जो पहले बैंकिंग सेवाओं से वंचित थे। इसके अतिरिक्त, अधिकाधिक आर्थिक अवसर पैदा किए गए हैं और समावेशी विकास में योगदान दिया गया है।

सबसे आगे घूमता हुआ सोने का सिक्का भारत की वृद्धिशील अर्थव्यवस्था, नवोन्मेष और समावेशी प्रगति का प्रतिनिधित्व कर रहा है। रुपए का प्रतीक आर्थिक कार्यकलापों की विविधता, स्थायित्व, सुदृढ़ता और आघात सहनीयता के साथ प्रगति को दर्शाता है।

बीच के भाग में पारंपरिक वित्तीय प्रथाओं से आधुनिक बैंकिंग प्रणाली की ओर अग्रसर विकास को दर्शाया गया है, जो विश्वास, समावेशन और प्रौद्योगिकी उन्नयन का धोतक है। महिला द्वारा एटीएम का उपयोग करना यह दर्शाता है कि किस प्रकार बढ़ती बैंकिंग सेवाओं ने समाज के प्रत्येक वर्ग की वित्तीय पहुंच में सुधार किया है। ऊपर यूपीआई के चिह्न की तरफ इंगित तीर सभी प्रकार की आर्थिक पृष्ठभूमि वाले नागरिकों को सहयोग प्रदान करने वाली समावेशी प्रगति का प्रतीक है जो भारत द्वारा तेज़ी से नवीनतम आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने का धोतक है।

पीछे की तरफ बारीकी से डिज़ाइन की गई पोटली धन, ऐश्वर्य और भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। किनारों पर लगी एलईडी स्क्रीनों पर दिखाए जा रहे चलचित्र देश में वित्तीय साक्षरता के महत्व को दर्शा रहे हैं। एलईडी स्क्रीन के इर्द-गिर्द वित्तीय समावेशन हेतु राष्ट्रीय मिशन से जुड़ी प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), स्टैंड-अप इंडिया (एसयूपीआई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को दर्शाया गया है।

यह झाँकी भारत की अमूल्य विरासत और प्रगतिशील डिजिटल अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण मिलन की प्रगति को प्रतिबिंबित करती है।

- वित्त मंत्रालय

India's Remarkable Journey in Financial Evolution

This tableau, presented by the Department of Financial Services, Ministry of Finance showcases the evolution of banking services in the country. It highlights key efforts like modernization of banking procedures leading to economic empowerment and rural development aiming for a financially strong and inclusive nation.

The tableau emphasizes how these initiatives have empowered citizens, especially the previously unbanked communities and has created more economic opportunities, and inclusive growth.

At the front, the spinning golden coin represents India's growing economy, innovation and inclusive progress. The rupee symbol shows the vibrancy of economic activity, stability, strength and growth with resilience.

The middle section showcases progression from traditional financial practices to the modern banking system, representing trust, inclusivity and technological advancement. The woman using an ATM highlights how expanding banking services have improved financial access for each segment of the society. The upward arrow leading to the UPI symbol shows India's rapid adoption of the latest modern technologies while supporting citizens from all economic backgrounds thereby symbolizing inclusive progress.

At the rear, an intricately designed Potli represents wealth, prosperity and India's cultural heritage. LED screens on the sides show visuals emphasizing the importance of financial literacy in the country. The National Mission for Financial Inclusion encompassing Schemes like the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY), Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY), Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY), Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY), Stand-Up India (SUPI) and Atal Pension Yojana (APY) is highlighted around LED screen.

This tableau reflects India's remarkable progress in blending its rich heritage with a forward-looking digital economy.

- MINISTRY OF FINANCE





मध्य प्रदेश का गौरव: कूनी राष्ट्रीय उद्यान - चीतों की भूमि

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कूनी नदी के किनारे स्थित राष्ट्रीय अभ्यारण्य देश में चीतों का नया घर है, इस अभ्यारण्य में चीतों के लिए उचित आहार और प्राकृतिक आवास मौजूद है। इस कारण पुनर्स्थापन की इस सफल परियोजना के परिणामस्वरूप वयस्क और शावक सहित कुल 24 चीते इस स्थान पर विचरण कर रहे हैं। इस परियोजना की सफलता के साथ अब मध्यप्रदेश 'टाइगर स्टेट' के साथ 'चीता स्टेट' भी बन गया है।

प्रस्तुत झाँकी में भारत में चीतों के सफल पुनर्स्थापन को दर्शाया गया है, झाँकी के अग्रभाग में कूनी राष्ट्रीय उद्यान में पुनर्स्थापित चीतों का जोड़ा और पुनर्वास के बाद कूनी में जन्मे नन्हे चीता शावकों को दर्शाया गया है, जो इस पुनर्स्थापन परियोजना की सफलता का एक द्योतक है।

झाँकी के मध्यभाग में बहती हुई कूनी नदी और इसके आस-पास राष्ट्रीय उद्यान के वनावरण और अपने प्राकृतिक आवास में विचरण करते हुए वन्यजीवों जैसे हिरण, बन्दर सहित 'चीते' और उनकी बढ़ती हुई संतति के साथ जैव विविधता के लिए एक आदर्श स्थान के रूप में कूनी को दर्शाया गया है।

झाँकी के मध्यभाग के पिछले हिस्से में पेड़ के नीचे बैठे 'चीतामित्र' स्थानीय निवासियों को चीता संरक्षण की जानकारी देकर प्रशिक्षित कर रहे हैं।

झाँकी के अंतिम भाग में वाच टावर से चीतों की निगरानी करते वनकर्मी और अन्य कर्मी दिखाई दे रहे हैं, जो लगातार इस सफल परियोजना के लिए सक्रिय योगदान दे रहे हैं, झाँकी के साथ श्योपुर का स्थानीय नृत्य 'लहंगी' करते हुए नृत्य दल साथ चल रहा है।

Madhya Pradesh's Glory: Kuno National Park - The Land of Cheetahs

The Kuno National Park, nestled along the banks of the Kuno River in Sheopur district of Madhya Pradesh, has become the new homeland for cheetahs in India. The park provides an ideal habitat and sufficient prey base for the species. As a result of this successful reintroduction project, today, 24 cheetahs, including adults and cubs, roam freely within its expanse. This remarkable achievement has earned Madhya Pradesh the dual honor of being the 'Tiger State' and the newly designated 'Cheetah State' of India.

The tableau vividly depicts the story of this historic reintroduction project. The front part of tableau displays a pair of reintroduced cheetahs along with their cubs symbolizing the project's success and the reintroduction of the Cheetahs in India.

The central part of the tableau highlights the flowing Kuno River, surrounded by the lush woods of the national park, along with nurturing wildlife such as deer, monkeys, and cheetahs thriving in their natural habitat. This emphasizes Kuno as an ideal space for biodiversity and the growing cheetah population.

Further, in the rear portion of the central part, the tableau portrays a 'Cheetah Mitra' (Cheetah Friend) under a tree, educating and training local community members about cheetah conservation.

The concluding segment of tableau illustrates the forest personnel and other team members monitoring the cheetahs from a watchtower, representing their continuous and active efforts in making this project a success. Accompanying the tableau, a dance troupe performs Sheopur's traditional 'Lehang' dance, adding a vibrant cultural touch.

- मध्य प्रदेश

- MADHYA PRADESH

मौसम के बदलते रंग 150 वर्षों से IMD है संग

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की यह झांकी भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव मनाती है, जो मौसम विज्ञान और समाज के प्रति इसके परिवर्तनकारी योगदान को प्रदर्शित करती है।

सामने का भाग मंत्रालय के चक्रवात जागरूकता प्रयासों को उजागर करता है, जिसमें चक्रवात डाना का प्रभावशाली चित्रण है। यह दिखाता है कि समय पर चेतावनियों ने कैसे शून्य मृत्यु सुनिश्चित की, जो सटीक मौसम पूर्वानुमानों की जीवन रक्षक शक्ति को दर्शाता है।

मध्य भाग किसानों के लिए पहलों पर केंद्रित है, यह दर्शाता है कि मोबाइल मौसम अलर्ट ने कृषि में क्रांति ला दी है। किसान अब मौसम पैटर्न का पूर्वानुमान लगाने में सक्षम हैं, जिससे बेहतर फसल प्रबंधन और आजीविका में सुधार हुआ है।

पिछला भाग मंत्रालय के चार प्रमुख समुदायों पर प्रभाव को दर्शाता है: महिला मछुआरे, जो समय पर चेतावनियों के कारण खतरनाक समुद्र से बचती हैं; पायलट, जो नवीनतम मौसम संबंधी जानकारी के साथ सुरक्षित उड़ान भरते हैं; माएं, ग्रामीण भारत में बच्चों को चरम मौसम से बचाती हैं; वैज्ञानिक, जो हमारे ग्रह को बेहतर समझने के लिए जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करते हैं।

झांकी में लाइव पात्र विभिन्न मौसम डेटा का अध्ययन करने वाले उपकरण पकड़कर मंत्रालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। यह झांकी जीवन की रक्षा करने, समुदायों को सशक्त बनाने और सटीक और समय पर मौसम सेवाओं के माध्यम से लचीलापन बनाने में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

Changing Colors of Weather IMD has been with us for 150 years

The tableau commemorates 150 years of Bharat Mausam Vigyan Vibhag under the Ministry of Earth Sciences, showcasing its transformative contributions to meteorology and society.

The front section highlights the ministry's cyclone awareness efforts, featuring a striking depiction of Cyclone Dana. It underscores how timely warnings ensured zero casualties, symbolizing the life-saving power of accurate weather forecasts.

The middle section focuses on initiatives for farmers, demonstrating how mobile weather alerts have revolutionized agriculture. Farmers are now empowered to predict weather patterns, ensuring better crop management and improved livelihoods.

The rear section portrays the ministry's impact on four key communities: Fisherwomen, who now avoid dangerous seas thanks to timely warnings; Pilots, flying safely with up-to-date meteorological information; Mothers, protecting children from extreme weather in rural India; Scientists, studying climate changes to better understand our planet.

Live characters enhance the tableau by holding various meteorological instruments, symbolizing the ministry's dedication to collecting and analyzing weather data. This tableau reflects the Ministry of Earth Sciences' pivotal role in safeguarding lives, empowering communities, and building resilience through accurate and timely meteorological services, blending innovation with a human-centric approach.

- MINISTRY OF EARTH SCIENCE





भारत की देशी गोजातीय नस्लों का सतत ग्रामीण विकास के प्रतीक के रूप में सम्मान

यह झाँकी भारत की संस्कृति और इसकी अर्थव्यवस्था के लिए देशी गोजातीय की निरंतर और महत्वपूर्ण भूमिका को श्रद्धांजलि है, जिसमें समृद्ध कलात्मक विरासत से लेकर श्वेत क्रांति 2.0 के तहत डेयरी किसानों को अधिक समृद्धि लाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता शामिल है।

सामने वाला भाग दूध के निरंतर प्रवाह को दर्शाता है, जो भारत को नंबर 1 दूध उत्पादक राष्ट्र के रूप में इसकी स्थिति और पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

मध्य भाग में भारत की 70 से अधिक देशी नस्लों में से एक, बछड़े के साथ मनोरम पंढरपुरी भेस को दिखाया गया है; भेस की देखभाल करती महिला किसान और टीका की खुराक तैयार करने वाले पशु चिकित्सक, विभाग के प्रमुख सार्वभौमिक खुरपका और मुँहपका रोग टीकाकरण कार्यक्रम को दर्शाता है।

दो महिलाओं को पारंपरिक बिलोना विधि से घी मथते हुए दिखाया गया है, और घी की बोतल जो पशु से बाजार तक पूरी तरह से पता लगाने के लिए भारत पशुधन लाइव डेटाबेस का उपयोग करती है।

पीछे की ओर कामधेनु/सुरभि की प्रतिमा है, जो गोवंश की पारंपरिक देवी और मनोकामना पूर्ति की देवी भी है, जिनकी उपस्थिति अनंत समृद्धि और खुशी का संकेत देती है।

झाँकी के साथ साइकिल और बायो-सीएनजी मोटरसाइकिल सवार भारत के हर कोने से आए पुरुषों और महिलाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं जो पशुओं से दूध इकट्ठा करके सहकारी संग्रह केंद्रों या सीधे उपभोक्ताओं तक ले जाते हैं।

प्रत्येक तरफ दो एवी पैनल क्रमशः विभाग और क्षेत्र की स्वदेशी नस्लों और जीवंत और तकनीकी रूप से उन्नत गतिविधियों को दर्शाते हैं।

- मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

Honouring India's Indigenous Bovine Breeds as Icons of Sustainable Rural Growth

The tableau is a tribute to the continuous and crucial role of the indigenous bovine for India's culture and its economy, from a rich artistic heritage to the Government's dedication to use technology to bring more prosperity to dairy farmers under White Revolution 2.0.

The front section showcases a continuous flow of milk, representing India's unassailable position as the No 1 milk producing nation, and its crucial role in nutrition.

The middle section features the picturesque Pandharpuri buffalo with calf, one among India's wealth of over 70 indigenous breeds; lady farmer caring buffalo and veterinarian readying dose of vaccine, indicating the Department's flagship universal Foot and Mouth Disease vaccination programme.

Two women are shown churning ghee in traditional bilona method, and bottle of ghee which uses the Bharat Pashudhan live database for full traceability from the animal to market.

The back section displays sculpture of Kamadhenu/ Surbhi, the traditional deity and also deity of wish fulfilment, whose presence indicates unending prosperity and happiness.

The riders accompanying the tableau on bicycles and Bio-CNG motorcycle represent men and women from every corner of India transporting milk after collecting from the animals and carrying to cooperative collection centers or directly to consumers.

Two AV panels on each side depict the indigenous breeds and vibrant and technologically advanced activities of the Department and sector respectively.

- MINISTRY OF FISHERIES, ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING

शाश्वत श्रद्धांजलि: त्रिपुरा में 14 देवताओं की वंदना - खार्ची पूजा

त्रिपुरा की झाँकी खार्ची पूजा को प्रदर्शित करती है और प्राचीन अध्यात्मिकता और समकालीन डिजाइन के मेल को दिखाती है। इस वार्षिक पूजा में चतुरदश देवता- 14 देवी-देवताओं को श्रद्धांजलि अर्पित किया जाता है। विभिन्न अनुष्ठानों के माध्यम से सद्भाव एवं समृद्धि के लिए उनका आशीर्वाद लिया जाता है।

झाँकी तीन खंडों के माध्यम से हेरिटेज और आधुनिकता को दर्शाती है:-

परंपरिकता और आधुनिकता का मिश्रण : पारंपरिक बाँस आधारित कला और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। गोलाकार बाँस की फ्रेम प्रगतिशीलता का प्रतीक है, जहाँ पारंपरिक पोशाक में नर्तक लोक संस्कृति एवं कला का प्रतीक है।

14 देवताओं की मुख्य वेदी : बाँस और बेंत से बनी इस मंदिर में 14 देवताओं की मूर्तियाँ स्थापित हैं, जिन्हें प्रतिकाल्मक आभूषणों से सजाया गया है। जियोमेट्रिक पैटर्न और पारंपरिक रूपांकनों के साथ जनजातियों की वास्तुकला का समावेश किया गया है।

माता हबु की पूजा और सांस्कृतिक अनुष्ठान: इस भाग में 'माता हबु' या धरती माता को विशेष महत्व दिया गया है जिसमें एक छतरी जैसी संरचना के नीचे माता की पूजा की जाती है। पारंपरिक पोशाक में पंडितों को भी पूजा-अर्चना करते देखा जाता है। बाँस की पारंपरिक कला और फूलों की नक्काशी आधुनिक तत्वों के साथ मिली हुई है।

आधुनिकता के साथ त्रिपुरा राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा पर प्रकाश डाला गया है जिसके माध्यम से गणतंत्रता दिवस की 'एकता और विविधता की भावना प्रतिबिंबित हुई है।

- त्रिपुरा

Eternal Reverence: The Worship of 14 Deities in Tripura - Kharchi Puja

The tableau beautifully fuses Tripura's ancient spirituality with contemporary design, portraying Kharchi Puja. This annual festival honours the Chaturdasha Devata, the 14 royal deities, through rituals invoking blessings for harmony, prosperity, and well-being.

The tableau reflects both heritage and modernity through three segments:-

Traditional-Modern Fusion Platform: A blend of traditional bamboo craftsmanship and modern technology. Bamboo frames with circuit-like patterns represent progress, while models of dancers in traditional attire and vibrant folk poses add artistic charm.

Central Shrine with Fourteen Deities: A bamboo and cane sanctuary houses idols of the 14 deities, adorned with symbolic ornaments and seated under intricately designed canopies. The shrine incorporates indigenous architecture with geometric patterns and traditional motifs.

Worship of Habu Maa (Mother Earth) and Cultural Celebrations: Highlighting the significance of Habu Maa or Mother Earth, this section features its worship under an umbrella-like structure. Priest in traditional attire is seen performing rituals. Bamboo craftwork and floral designs merge traditional aesthetics with modern elements.

The tableau celebrates the Tripura's rich cultural heritage while embracing modernization, resonating with Republic Day's spirit of unity and diversity.

- TRIPURA





लक्कुंडी: पत्थर शिल्प का हिंडोला

Lakkundi: Cradle of Stone Craft

कर्नाटक की झांकी में ऐतिहासिक शहर लक्कुंडी के उत्कृष्ट और कलात्मक मंदिरों को प्रदर्शित किया गया है। कर्नाटक के गदग जिले में स्थित, हुब्बली से लगभग 70 किमी दूर, लक्कुंडी को अपनी अद्भुत पत्थर वास्तुकला के लिए 'पत्थर शिल्प का पालना' कहा जाता है। लक्कुंडी सुंदर मंदिरों, बावड़ियों और चालुक्य राजवंश के शिलालेखों का घर है।

The tableau of Karnataka showcases exquisite and artistic temples of the historic city of Lakkundi. Located in the Gadag district of Karnataka, about 70 km from Hubballi, Lakkundi is called as the 'Cradle of Stone Craft' for its stunning stone architecture. Lakkundi is home to beautiful temples, stepwells, and inscriptions from the Chalukya dynasty.

एक सांस्कृतिक शक्ति केंद्र होने के अलावा, लक्कुंडी 10वीं और 12वीं शताब्दी के बीच एक बड़ा समृद्ध नगर और वाणिज्यिक केंद्र था। इस पर कई राजवंशों ने शासन किया, लेकिन उनमें सबसे महत्वपूर्ण चालुक्य राजवंश था।

Besides being a cultural powerhouse, Lakkundi was a large thriving city and a commercial hub between 10th and 12th century AD. The city was ruled by several dynasties but the most important of them were the Chalukyas.

लक्कुंडी पुरातत्वविदों और वास्तुकला-प्रेमियों का स्वर्ग है। यहाँ 50 मंदिर हैं, जिनमें से ज्यादातर भगवान शिव को समर्पित हैं; 101 सीढ़ीदार कुएं (कल्याणी/पुष्करणी); और 29 शिलालेख हैं। यह कला, संस्कृति और वास्तुशिल्प के क्षेत्र में कल्याणी चालुक्य की उत्कृष्टता का प्रतीक है।

Lakkundi is a paradise for antiquarians and architecture enthusiasts. It has 50 temples, most of them dedicated to Lord Shiva; 101 stepped wells (kalyani / pushkarani); and 29 inscriptions. It is an epitome of Kalyani Chalukya's excellence in art, culture and architecture.

झांकी के अग्र भाग में ब्रह्मा जिनालय मंदिर की ब्रह्मा प्रतिमा है। यह भगवान महावीर को समर्पित लक्कुंडी का सबसे पुराना जैन मंदिर है। इसके बाद ब्रह्मा जिनालय मंदिर का खुला स्तंभयुक्त मंडप है। झांकी के मुख्य भाग में भगवान शिव को समर्पित भव्य एवं अलंकृत काशी विश्वेश्वर मंदिर और नन्नेश्वर मंदिर प्रदर्शित किए गए हैं।

The front part of the tableau has the Brahma statue from Brahma Jinalaya temple, the oldest Jain shrine in Lakkundi dedicated to Lord Mahaveera. It is followed by open pillared mantapa of Brahma Jinalaya temple. The main section of the tableau has on display the grand and ornate Kashi Vishweshwara temple and Nanneshwara temple dedicated to Lord Shiva.

लक्कुंडी के मंदिर कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं और सभी धर्मों और आस्थाओं का आनंद मनाते हैं। कर्नाटक हमेशा से 'सर्व जनांगदा शांतिया तोटा' यानी 'सभी समुदाय शांति से रहने वाला उद्यान' है।

The temples of Lakkundi reflect the rich cultural heritage of Karnataka and celebrate all faiths and religions. Karnataka has always been a 'SarvaJanangadaShaanthiya Thota', a quintessential 'garden of peace'.

- कर्नाटक

- KARNATAKA

पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण-पर्यटन

यह झांकी संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन व दीव के समृद्ध वन्यजीवन और मछली पकड़ने की संस्कृति के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति को उजागर करती है।

झांकी के अग्र भाग में दमन का "वाँक-इन बर्ड एवियरी" दर्शाया गया है, जो अनेक दुर्लभ और विदेशी पक्षी प्रजातियों का घर है और एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यह एवियरी जो अपने पक्षियों की विविधता और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, पर्यावरण संरक्षण और इको-टूरिज्म के प्रति इस क्षेत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्य ट्रेलर में एक बड़ी मछली "येलो फिन टूना" को दर्शाया गया है, जो अरब सागर के दीव तटीय क्षेत्र में पाई जाती है। यह मछली क्षेत्र की मछली पकड़ने की समृद्धि का प्रतीक है।

पीछे के हिस्से में भारत के सबसे स्मार्ट और एकीकृत मछली पकड़ने वाली बंदरगाह प्रणाली को दिखाया गया है, जो दीव में स्थित है। यह प्रणाली उन्नत तकनीकों जैसे सेंसर, डेटा एनालिटिक्स, सैटेलाइट संचार, ड्रोन एक्सेस कंट्रोल आदि का उपयोग करके स्थायी मछली पकड़ने और समुद्री दक्षता को बढ़ावा देती है। यह प्रणाली पर्यावरण-अनुकूल और उपयुक्त प्रथाओं के अनुप्रयोग को प्राथमिकता देती है। यह अत्याधुनिक प्रणाली मैनुअल प्रयासों को कम करके तेज संचालन और बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करती है। यह मछली पकड़ने के उद्योग में नवाचार और आर्थिक प्रगति की दिशा में संघ प्रदेश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। झांकी के अंत में समुद्र तट की रेत और शंख-सीपियों को दर्शाया गया है।

झांकी का समापन "माछी लोक नृत्य" की आकर्षक प्रस्तुति के साथ होता है, जो इस क्षेत्र के तटीय जीवन शैली को दर्शाता है।

- दादरा और नगर हवेली तथा दमन व दीव

Environmental Conservation and Eco-tourism

The tableau of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli & Daman and Diu emphasizes the rich wildlife and the fishing culture of the Union Territory as well as its ongoing progress in many areas.

The Front feature of the tableau represents the "Walk-in Bird Aviary" at Daman, home to a variety of exotic bird species and a major tourist attraction. The aviary, known for its vibrant birdlife and natural beauty, symbolizes the region's commitment to environmental conservation and eco-tourism.

The main trailer showcases a large Fish "the Yellow Fin Tuna" which is found amongst other varieties of fish at the Diu coastal area of the Arabian sea.

The rear part showcases one of India's Smart and Integrated Fishing Harbour system at Diu which represents a cutting-edge approach to sustainable fishing and maritime efficiency by leveraging advance technologies like sensors, data analytics, Satellite communication, drone access control etc and prioritizes application of eco-friendly and suitable practices. This state-of-the-art system reduces manual effort, ensuring faster operations and improved quality control. It stands as a testament to the UT's commitment towards innovation and economic growth in the fishing industry. The end view of the tableau highlights the sand and shell of the sea shore.

The tableau concludes with artists performing the captivating Machi folk dance showcasing their coastal lifestyle.

- DADRA AND NAGAR HAVELI & DAMAN AND DIU





दिल्ली: उच्च शिक्षा के नए अवसर

दिल्ली की झांकी भारत के लोगों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतीक है। दिल्ली ऐतिहासिक रूप से उच्च शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी का केंद्र रही है। हाल के वर्षों में, दिल्ली के विभिन्न विश्वविद्यालयों ने समकालीन समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे और पाठ्यक्रम को उन्नत करने में गंभीर प्रयास किए हैं।

दिल्ली के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन सेंटर, प्रौद्योगिकी स्टार्ट अप, अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, नैनो टेक्नोलॉजी जैसी नई उम्र की तकनीक के लिए सुविधाएं हैं। यह दिल्ली के नागरिकों के लिए सामूहिक गौरव की बात है। यही इस झांकी के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास है।

झांकी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे विकास को प्रदर्शित करने के साथ-साथ डिजिटलीकरण के लाभ के अतिरिक्त रोबोटिक तकनीक के प्रयोग विशेषकर चिकित्सा के क्षेत्र में नवीन युग के प्रारंभ को परिलक्षित करती है। झांकी विभिन्न क्षेत्रों में ऊंची उड़ान भरने वाले बच्चों के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व को दर्शाती हुई चलती है। लैब उपकरण के साथ काम करती एक लड़की और लैपटॉप से निकलता हुआ ज्ञान वृक्ष आज शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति को दर्शाता है।

यह झांकी शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए क्रंतिकारी कदमों एवं विकास के साथ-साथ भारत की महान व प्राचीन कला संस्कृति को संजोने एवं सहेजने की दिशा में किए गए प्रयासों को भी दर्शाती है।

- दिल्ली

Delhi: New Opportunities for Higher Education

The tableau of Delhi symbolises the collective aspirations of the people of India. Delhi has historically been a hub of higher education, research and technology. In recent years, various universities in Delhi have made serious efforts in upgrading the infrastructure and curriculum keeping in mind the requirements of contemporary times.

Various universities in Delhi have world-class incubation centres, facilities for technology start-ups, research and new age technologies like Artificial Intelligence, Big Data, Nano Technology. This is a matter of collective pride for the citizens of Delhi. This is what we are trying to present through this tableau.

The tableau, apart from showing the developments taking place in the field of higher education, reflects the benefits of digitization as well as the use of robotic technology, especially in the field of medicine, to mark the beginning of a new era. The tableau moves forward showing symbolic representations of children flying high in various fields. A girl working with lab equipment and the tree of knowledge growing out of a laptop depict the progress made in the field of education today.

The tableau depicts the revolutionary steps and developments taken in the field of education as well as the efforts made to preserve and protect the great and ancient art and culture of India.

- DELHI

बंगाल में जीवन को सशक्त बनाना और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना

Empowering Lives and Fostering Self-Reliance in Bengal

यह झांकी राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, वास्तुकला की उत्कृष्टता और कलात्मक परंपराओं को उजागर करती है। यह झांकी, राज्य के द्वारा महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के प्रयासों को दर्शाता है।

The Tableau highlights the state's rich cultural heritage, architectural excellence and artistic traditions. It shows the state's efforts towards empowering women and bringing economic empowerment and self reliance.

झांकी के अग्र भाग में छऊ वेशभूषा में दुर्गा प्रतिमा, "नारी शक्ति" के जागरण का प्रतीक है।

The front part of tableau showcases Durga idol in Chhau attire symbolizing the awakening of "Naari Shakti."

ट्रेलर भाग में पारंपरिक लोक कला रूपों जैसे छऊ नृत्य और बाउल गीतों के माध्यम से सांस्कृतिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया गया है। इसके अलावा बिष्णुपुर की टेराकोटा वास्तुकला से प्रेरित वास्तुकला की उत्कृष्टता, बंगाल की विविधता को दर्शाती है। ये तत्व बंगाल की सांस्कृतिक जीवंतता और सदियों से भारतीय सांस्कृतिक समरसता में इसकी भूमिका का प्रतीक हैं।

The trailer Part showcases cultural excellence through traditional folk art forms like Chhau dance and Baul songs. Architectural brilliance inspired by Bishnupur's terracotta architecture, reflecting Bengal's diversity is also displayed. These elements symbolize Bengal's cultural vibrancy and its role in fostering India's cultural fusion through centuries.

पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और आधुनिकता को अपनाने की प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि इसकी लोक परंपराओं की विरासत भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करे और भारत के विकास में योगदान दे।

West Bengal's commitment to safeguarding its cultural heritage while embracing modernity, ensuring the legacy of its folk traditions, inspires future generations and contributes to India's development.

- पश्चिम बंगाल

- WEST BENGAL





चंडीगढ़: विरासत, नवाचार और स्थिरता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण

चंडीगढ़, 'द सिटी ब्यूटीफुल' की कल्पना एक आधुनिक और प्रगतिशील शहर के रूप में की गई थी, जो सभी को एक सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। इसकी सोची-समझी योजना दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। चंडीगढ़ विरासत और आधुनिक वास्तुकला का एक आदर्श मिश्रण है, इसलिए यह 'विरासत और विकास' का एक सच्चा प्रतीक है। हम चंडीगढ़ के जापानी गार्डन से वीडियोग्राफी करते हुए एक व्यक्ति की मूर्ति देख सकते हैं। यह दर्शाता है कि चंडीगढ़ अपनी हरियाली, शांति, सुंदर वास्तुकला और जीवन शैली के कारण फिल्म शूटिंग के लिए एक पसंदीदा स्थान बन रहा है। नेक चंद की कलात्मक रचना- रॉक गार्डन को झांकी की सुंदरता में चार चांद लगाते हुए देखा जा सकता है।

साइड पैनल में विधानसभा की बाहरी दीवार दिखाई गई है, जो मोज़ेक भित्ति चित्र के साथ शहर की विरासत है। साइड पैनल के पिछले हिस्से में धनास झील के फ्लोटिंग सोलर पैनल दिखाए गए हैं, जो भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर झील है। ट्रॉली पर शहर के हरे-भरे बगीचों का आधार वरिष्ठ नागरिकों, योग के प्रति उत्साही और पर्यटकों के लिए एक आदर्श सभा स्थल है। पियरे जेनेरेट द्वारा डिजाइन किया गया गांधी भवन वास्तुकला की उत्कृष्टता का सच्चा प्रतीक है। शहर के प्लाजा में रूस्टर बर्ड फाउंटेन एक आकर्षक पर्यटन केंद्र है।

स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए चंडीगढ़ में वर्तमान में लगभग 300 किलोमीटर लंबे साइकिल ट्रैक हैं। शहर में सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम शुरू किया गया है ताकि अधिक से अधिक लोगों को साइकिल को परिवहन के मुख्य साधन के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस परियोजना में कुल 5,000 साइकिल और 617 डॉकिंग स्टेशन की परिकल्पना की गई है, जो इसे भारत की सबसे घनी पीबीएस प्रणाली बनाता है। इस प्रकार यह झांकी चंडीगढ़ के सार को दर्शाती है, जिसमें इस समूह के प्रमुख प्रतीकात्मक तत्वों की अभूतपूर्व और साहसिक प्रस्तुति है जो चंडीगढ़ की पहचान बन गई है और पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यटक आकर्षण है।

Chandigarh: A Harmonious Blend of Heritage, Innovation, and Sustainability

Chandigarh, 'The City Beautiful' was envisioned as a modern and progressive city offering a dignified life to everyone. Its thoughtful planning has been attracting tourists from all over the world. Chandigarh is the perfect blend of heritage and modern architecture thus a true representation of "Virasat and Vikas". We can see the sculpture of a man doing videography from Japanese Garden in Chandigarh. This denotes how Chandigarh is becoming a preferred destination for film shootings due to its lush greenery, peacefulness, beautiful architecture and lifestyle. Nek Chand's artistic creation- Rock Garden can be seen adding to the beauty of the tableau.

The side panel showcases the outer wall of Vidhan Sabha which is the city's heritage juxtaposed with mosaic mural design. The back half of side panel shows the Floating Solar Panels of Dhanas Lake which happens to be the largest floating solar lake of India. On the trolley the base of lush green gardens of the city is a perfect gathering spot for the senior citizens, yoga enthusiasts and tourists. The Gandhi Bhavan, designed by Pierre Jeanneret, is the true epitome of architectural excellence and a heritage treasure of the city beautiful. Rooster Bird Fountain is a tourist attraction at city Plaza.

For promoting health, Chandigarh currently has cycle tracks of around 300 km. The public bicycle sharing system in the city encourages more people to opt for cycling as mode of transportation. Around 5,000 cycles and 617 docking stations have been envisioned, making it the densest PBS system of India. The tableau thus captures the essence Chandigarh with its unprecedented and bold presentation of key symbolic elements of this ensemble which has become the identity of Chandigarh and is an important tourist attraction for the entire world.

- चंडीगढ़

- CHANDIGARH

स्वर्णिम भारत: विरासत भी, विकास भी

संस्कृति मंत्रालय की यह झांकी भारत की शाश्वत समृद्धि और सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान करती है, और इसके उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना को साकार करती है। यह झांकी प्रधानमंत्री के "विकास भी, विरासत भी" के दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसमें भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के स्थायी विकास, रोजगार सृजन और विकसित भारत दृष्टि 2047 में योगदान को उजागर किया गया है।

झांकी की शुरुआत प्राचीन तमिल वाद्य यंत्र यज्ञ से होती है। यज्ञ भारत की समृद्ध संगीत परंपरा और कलात्मक कौशल का प्रतीक है। अपनी मधुर ध्वनि और उत्कृष्ट शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध यज्ञ भारत की शास्त्रीय परंपराओं को आधुनिक रचनात्मकता के परिवर्तित स्वर से जोड़ता है, और पुनर्जागरण व निरंतरता की भावना को प्रकट करता है।

यज्ञ जिस कुम्हार के चाक पर रखा गया है, वह परिवर्तन, गति, निरंतरता और सौभाग्य का प्रतीक है, जो भारत की रचनात्मक उत्पादकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति में निहित है।

झांकी पर कल्पवृक्ष (इच्छा पूर्ति करने वाला वृक्ष) का गतिशील रूप धीरे-धीरे सोने की चिड़िया (गोल्डन बर्ड) में परिवर्तित होता है। कल्पवृक्ष भारत के समृद्ध सांस्कृतिक संसाधनों का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि सोने की चिड़िया भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के वैश्विक स्तर पर उड़ान भरने और समृद्धि का प्रतीक है।

झांकी के दोनों ओर 10 डिजिटल आर्च हैं, जो भारत की रचनात्मक और सांस्कृतिक उद्योगों जैसे प्रदर्शन कला, साहित्य, सिनेमा, दृश्य कला और डिजाइन आदि के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं।

यह रंगीन झांकी सभी को भारत के अतीत और भविष्य की पुनर्कल्पना करने के लिए आमंत्रित करती है, जिसमें विरासत और विकास के संगम से उज्ज्वल कल की रचना होती है।

- संस्कृति मंत्रालय

Swarnim Bharat: Heritage and Development

The Ministry of Culture tableau honors the timeless prosperity and cultural wealth of India, envisioning its flourishing future. This tableau reflects the Prime Minister's vision of "Vikas bhi, Virasat bhi," showcasing the role of India's creative economy in fostering sustainable growth and job creation, driving economic prosperity, and contributing to the realization of Viksit Bharat Vision 2047.

The tableau opens with the striking Yajh Instrument, an ancient Tamilian string instrument which represents India's profound musical heritage and artistic ingenuity. Known for its melodious sound and intricate craftsmanship, the Yajh connects India's classical traditions to the evolving rhythms of modern creativity, signalling the spirit of revival and continuity.

The potter's wheel on which the Yajh is mounted signifies transformation and momentum, continuum and fortune, found in the power of creative productivity and cultural expression of India.

On the tableau, a unique kinetic installation designed as the wish-fulfilling Kalpavriksha (Vat tree) magically transforms into the Golden Bird (Sone Ki Chidiya). The Kalpavriksha represents India's abundant cultural resources, while the Golden Bird symbolizes wealth and India's creative economy taking flight into global prominence.

The façade on each side represents various creative domains. The ten digital arches are designed as a multi-sensory vignette with dynamic representations of performing arts, literature, cinema, visual arts, and design, among others.

The vibrant tableau, invites all to reimagine India's past and future, visualized through its creative economy, blending heritage with progress for a radiant tomorrow.

- MINISTRY OF CULTURE





फूलों की झांकी के माध्यम से भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न

75 Years of Constitution of India through Flower Tableau

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की पुष्प झांकी भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ का प्रदर्शन कर रही है, जिसे झांकी पर भव्य रूप से प्रदर्शित किया गया है। 26 नवंबर, 2024 को, भारत ने संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ मनाकर एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया है।

Central Public Works Department's flower tableau showcase the 75th anniversary of constitution of India which is displayed magnificently on the tableau. On November 26, 2024, India marked a historic milestone by celebrating the 75th anniversary of the adoption of the Constitution.

झांकी के अग्र भाग में अशोक चक्र को दर्शाया गया है, यह "समय का पहिया" को भी दर्शाता है। चक्र का उद्देश्य यह दिखाना है कि गति में जीवन है और स्थिरता में मृत्यु है। अशोक चक्र के पीछे भारत का संविधान दर्शाया गया है जो भारत का सर्वोच्च कानूनी दस्तावेज है। यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित राष्ट्रीय संविधान है। भारत का संविधान भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है, इसके नागरिकों को न्याय, समानता, स्वतंत्रता का आश्वासन देता है और भाईचारे को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

In the front part of the tableau, Ashoka Chakra has been shown, it also depicts the "Wheel of time". The Chakra intends to show that there is life in movement and death in stagnation. Back side of Ashoka Chakra, the constitution of India has been shown which is the supreme legal document of India. It is the largest written national constitution in the world. The constitution of India declares India a sovereign, socialist, secular and democratic republic, assure its citizens justice, equality, liberty and endeavours to promote fraternity.

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने उस समिति की अध्यक्षता की जिसे भारत की संविधान सभा की बहसों के आधार पर भारत के संविधान का मसौदा तैयार किया, यह चित्र भी झांकी के दोनों ओर दिखाया गया है। भारत के इतिहास में इस परिवर्तनकारी क्षण का सम्मान करने के लिए 2015 से हर साल संविधान दिवस मनाया जाता है। "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" थीम वाले साल भर चलने वाले समारोहों का उद्देश्य संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराना और नागरिकों को इसके आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है।

Dr. B.R. Ambedkar chaired the committee that drafted the Constitution of India based on the debates of the Constituent Assembly of India is also shown on the both side of tableau. Constitution Day (Samvidhan Divas) has been commemorated annually since 2015 to honour this transformative moment in India's history. The year-long celebrations, themed "Humara Samvidhan, Humara Swabhimaan" are aimed at reiterating the core values enshrined in the Constitution and motivating citizens to uphold its ideals.

आंखों को प्रसन्न करने वाला अनुभव स्थापित करने के लिए पूरी झांकी को उनके प्राकृतिक, जीवंत रंग में फूलों से तैयार किया गया है।

The entire tableau is crafted in flowers in their natural, vibrant colour to establish eye pleasing experience.

- केंद्रीय लोक निर्माण विभाग

- CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

जयति जय मम भारतम्

संस्कृति मंत्रालय 26 जनवरी, 2025 को भारत के 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जयति जय मम भारतम् प्रस्तुत करता है। जयति जय मम भारतम्, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारत के आदिवासी और लोक रूपों की समृद्ध और रंगीन वंशावली और विरासत के माध्यम से जीवंत की गई एक नृत्य कला प्रस्तुति है।

इसमें 5000 से अधिक लोक और आदिवासी कलाकार शामिल हैं जो भारत के कोने-कोने से युवा शक्ति, कलात्मक विरासत और नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भारत की विरासत की संस्कृति और विविधता के विविध ताने-बाने का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस प्रस्तुति की कोरियोग्राफी 'विकसित भारत, विरासत भी विकास भी' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की थीम का जश्र मनाती है।

इस कलात्मक प्रस्तुति का समन्वयन संगीत नाटक अकादमी द्वारा किया गया है, जो संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है, जो संगीत और नृत्य से भरपूर एक आकर्षक प्रस्तुति बनाने के लिए प्रतिष्ठित कलाकारों, कोरियोग्राफरों और उद्योग के दिग्गजों को एक साथ लाता है।

5,000 पारंपरिक लोक और आदिवासी कलाकारों के शानदार प्रदर्शन ने प्रामाणिक वेशभूषा, आभूषण, सिर की पोशाक और भाले, तलवार और ड्रम जैसे पारंपरिक प्रॉप्स के साथ अपने नृत्य रूपों को जीवंत कर दिया है। ये कलाकार अपने स्वयं के परिधान और सहायक उपकरण का उपयोग करके अपनी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की मौलिकता को गर्व से संरक्षित करते हैं।

उनके प्रदर्शन के दृश्य स्पेक्ट्रम को और समृद्ध करने के लिए, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कुशल विशेषज्ञों द्वारा प्रॉप्स, मास्क और जानवरों के फ्रेम जैसे अतिरिक्त तत्वों को सोच-समझकर डिजाइन और तैयार किया गया है,

JAYATI JAYA MAMAH BHARATAM

Ministry of Culture presents Jayati Jaya Mamah Bharatam, on the occasion of the celebration of the 76th Republic Day of India on 26 January, 2025. Jayati Jaya Mamah Bharatam, is a choreographed artistic presentation brought alive through the rich and colorful ancestry and legacy of tribal and folk forms of Bharat as a tribute to the 150th Birth Anniversary of Bhagwan Birsa Munda.

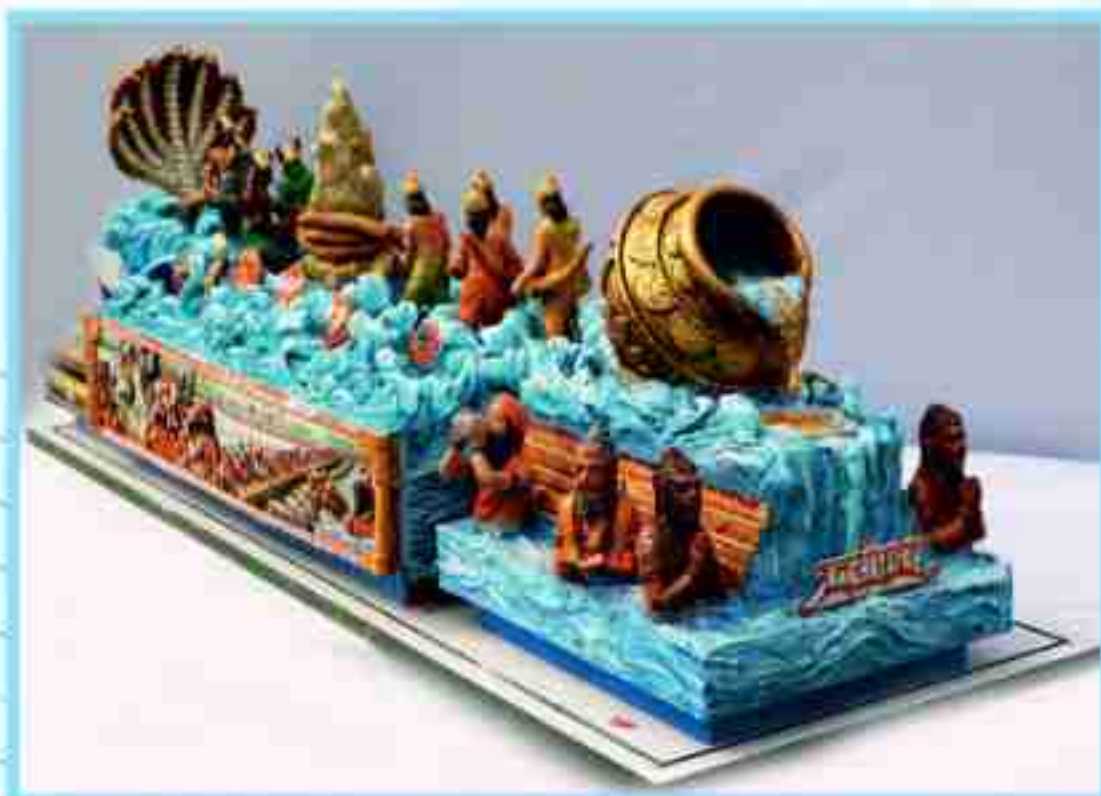
It features over 5000 folk and tribal artists representing youth power, artistic heritage and nari shakti drawn from the length and breadth of India representing the varied tapestry of culture and diversity of India's heritage.

The choreography celebrates the themes of 'Viksit Bharat, Virasat bhi Vikas bhi', and 'Ek Bharat Shreshtha Bharat'.

The artistic presentation has been coordinated by Sangeet Natak Akademi, an autonomous body under the Ministry of Culture bringing together eminent artists, choreographers and industry stalwarts to create a riveting presentation powered by music and dance.

The spectacular display of 5,000 traditional folk and tribal artists have brought their dance forms to life with authentic costumes, jewelry, headgear, and traditional props like spears, swords, and drums. These artists proudly preserve the originality of their cultural expressions by using their own attire and accessories.

To further enrich the visual spectrum of their performances, additional elements such as props, masks, and animal frames have been thoughtfully designed and crafted by the skilled experts of the National School of Drama, adding depth and creativity to the choreographic presentations.





Ministry of Defence
Ceremonial Division
South Block, New Delhi